दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-35 सीहोर, शनिवार 21 मार्च 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

प्लीज हमें पानी दे दो, सिंधु जल संधि पर यूएन में रोया पाकिस्तान, भारत ने कहा- पहले हरकतें सुधारो

नई दिल्ली, (आरएनएस)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच जल विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित किए जाने के बाद पाकिस्तान लगातार इसे बहाल करने की मांग कर रहा है और इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठा रहा है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भी पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाया, जबकि कार्यक्रम का मुख्य विषय सभी के लिए सुरक्षित जल और स्वच्छता सुनिश्चित करना था।इस पर भारत ने कड़ा जवाब दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि संधियों की पवित्रता की बात करने से पहले पाकिस्तान को मानव जीवन की पवित्रता का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान पर आतंकवाद को राज्य नीति के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन पूरी तरह बंद नहीं करता, तब तक संधि निलंबित रहेगी।हरीश ने यह भी कहा कि भारत हमेशा एक जिम्मेदार ऊपरी तटीय देश रहा है, लेकिन जिम्मेदारी दोनों पक्षों से निभाई जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने भारत पर युद्ध थोपे और हजारों आतंकवादी हमलों को बढ़ावा दिया, जिससे निर्दोष नागरिकों की जान गई।भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि सिंधु जल संधि पर मूल रूप से सद्भावना और सहयोग की भावना से हस्ताक्षर किए गए थे, लेकिन समय के साथ परिस्थितियों में बदलाव आया है। पिछले 65 वर्षों में तकनीक, जनसंख्या और पर्यावरण में हुए बदलावों को देखते हुए संधि में संशोधन की आवश्यकता बताई गई, हालांकि पाकिस्तान ने इस पर बातचीत से इनकार कर दिया।भारत ने 1960 में हुई इस संधि को पिछले वर्ष पहलगाम हमले के बाद निलंबित किया था। इस हमले की जिम्मेदारी 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' नामक संगठन ने ली थी, जिसे लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा माना जाता है। इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया।

देश में महंगा हुआ प्रीमियम पेट्रोल, इंडस्ट्रियल डीजल की भी बढ़ी कीमत

नई दिल्ली, (ए.)। पश्चिम एशिया में जारी जंग का असर अब भारत में पेट्रोलियम उत्पातों की कीमत पर साफ साफ नजर आने लगा है। इस जंग की शुरुआत होते ही पहले एलपीजी सिलेंडर के भाव में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। अब ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल और इंडस्ट्रियल डीजल की कीमत में भी बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि नॉर्मल पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है।ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने आज पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच प्रीमियम पेट्रोल की कीमत में दो रुपये प्रति लीटर से अधिक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। इस ऐलान के साथ ही तत्काल स्पीड और पावर नाम से बिकने वाला प्रीमियम पेट्रोल अब 2.09 रुपये लीटर तक महंगा हो गया है। पहले प्रीमियम पेट्रोल की कीमत 111.68 रुपये प्रति लीटर थी, जो अब बढ़ कर 113.77 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने इंडस्ट्रियल डीजल की कीमत भी बढ़ा दी है। अब इंडस्ट्रियल डीजल की कीमत 87.67 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 109.59 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस पर आनंद के आयाम राष्ट्रीय कार्यशाला का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया

मध्य प्रदेश में बदला मौसम, कई जिलों में हुई बारिश, ओले भी गिरे, 34 जिलों में अलर्ट जारी

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ सिस्टम के सक्रिय होने से मौसम लगातार करवट ले रहा है। पिछले दो दिनों से प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि का असर देखने को मिल रहा है। गुरुवार को 15 से अधिक जिलों में मौसम अचानक बदला, कहीं तेज बारिश हुई तो कहीं ओले गिरे।

मौसम विभाग के मुताबिक, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ प्रदेश के मध्य हिस्से में सक्रिय हैं। अगले 24 घंटों में सिवनी, मंडला, बालाघाट, दतिया, निवाड़ी और टीकमगढ़ में ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। इसके अलावा अन्य 28 जिलों में गरज-चमक, बिजली गिरने, तेज हवा और बारिश का अनुमान है। भोपाल में बादल छाए रहने की संभावना बनी हुई है।

कई जिलों में तेज आंधी और बारिश

कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का दौर चला। कुछ जगहों पर ओले गिरने से किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है, वहीं तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। राजधानी भोपाल में देर रात करीब 1 बजे और फिर शुक्रवार सुबह लगभग साढ़े 5 बजे तेज बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने ग्वालियर, जबलपुर सहित कुल 34 जिलों में ओले, बारिश और आंधी को लेकर अलर्ट जारी किया है।

ईरान को लगा एक और बड़ा झटका, इजरायली हमले में मारे गए आईआरजीसी के प्रवक्ता अली मोहम्मद

तेहरान, (आरएनएस)। इजरायल-अमेरिका के साथ ईरान की जंग जारी है। इस जंग के बीच ईरान को एक और बड़ा झटका लगा है। दरअसल, लगातार हो रहे हमलों के बीच आईआरजीसी के प्रवक्ता अली मोहम्मद की मौत होने की खबरें सामने आ रही हैं। मिली जानकारी के मुताबिक इजरायल के हमले में अली मोहम्मद की मौत हो गई हैं। ईरान ने भी अली मोहम्मद की मौत की पुष्टि कर दी है। बता दें कि मिडिल ईस्ट में जारी जंग का आज 21वां दिन है। हर दिन ये जंग और भीषण होती जा रही है। हाइफा शहर पर ईरान के हमले का इजरायल ने करारा जवाब दिया है।

इजरायल ने तेहरान पर एक के बाद एक कई हमले किए हैं, जिससे पूरा तेहरान थर्रा गया है। तेहरान से इजरायली हमले का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें बड़ा धमाका होता दिखाई दे रहा है। दावा है कि इजरायली मिसाइल लगातार तेहरान को टारगेट कर रही हैं, जहां तेहरान में धमाकों की आवाज सुनी गई। इससे पहले गुरुवार रात ईरान ने 4 खाड़ी देशों पर जबरदस्त स्ट्राइक की। ईरान ने दुबई, बहरीन, कुवैत और यूएई पर हमले किए हैं। दुबई सरकार ने इन हमलों की पुष्टि कर दी है। वहीं बहरीन में ईरान के हमले से एक गोदाम जलकर खाक हो गया। खाड़ी देशों में लगा अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम इन हमलों को नाकाम करने में लगा है।

दरअसल, इजरायल ने पहली बार कैस्पियन सागर में ईरान के नौसैनिक ठिकानों पर हमला किया है। इस हमले में मिसाइल जहाज, और कमांड सेंटर तबाह कर दिए गए हैं। ईरान का ये इलाका रूस के बॉर्डर के पास है। वहीं इस रास्ते से जो भी सामान मॉस्को भेज रहा था, अब उसकी सप्लाई पर असर पड़ सकता है। वहीं, ईरान ने इजरायली मिसाइलों को रोकने के लिए अपने एयर डिफेंस को एक्टिव कर दिया है। परचिन मिलिट्री कॉम्प्लेक्स के पास बमबारी की खबरें सामने आ रही हैं। इसके अलावा, करमन में आईआरजीसी के ठिकानों पर भी हमले होने की जानकारी मिल रही है।

राज्यों में होने वाले चुनावों पर पड़ सकता है पश्चिम एशिया युद्ध का असर

-विपक्ष महंगाई को बना सकता है मुद्दा, एनडीए के बढ़ सकती हैं मुश्किलें

नई दिल्ली,(ए.)। देश में पांच राज्यों विधानसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। इन चुनावों में यूं तो राज्यों के मुद्दे हावी रहने चाहिए या राष्ट्रीय स्तर के कुछ मुद्दों को हवा देने की कोशिश हो सकती है, लेकिन एक अंतरराष्ट्रीय पहलू भी इसमें जुड़ गया है। इस किस्से का सिरा जुड़ा है ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले से। इससे पैदा होने वाली चुनौती एनडीए को भी तकलीफ दे सकती है और राज्यों में सत्तारूढ़ दलों को भी।

पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच क्रूड ऑयल और नैचरल गैस की कीमतें बढ़ी हैं और भारत में इनकी आपूर्ति प्रभावित हुई है। जनवरी में 65-66 डॉलर प्रति बैरल पर रहा कच्चा तेल अब 100 डॉलर के पार है। भारत अपनी जरूरत का 88फीसदी कच्चा तेल आयात करता है और इसका करीब आधा हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से आता है।

चीन के आसमान से एयर इंडिया की फ्लाइट ने लिया यू-टर्न, 4 घंटे बाद वापस दिल्ली लौटा विमान

नई दिल्ली,(ए)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कनाडा के वैंकूवर के लिए उड़ान भरने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-185 को चीन के आसमान से अचानक वापस लौटना पड़ा। करीब चार घंटे का सफर तय करने के बाद विमान ने बीच रास्ते से ही यू-टर्न ले लिया, जिसके चलते न केवल वैंकूवर जाने वाले यात्री परेशान हुए, बल्कि वैंकूवर से कोलकाता होते हुए दिल्ली आने वाली वापसी की उड़ान को भी रद्द करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, यह विमान गुरुवार सुबह लगभग 11:30 बजे दिल्ली से रवाना हुआ था। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध की स्थितियों को देखते हुए इस उड़ान के मार्ग में बदलाव किया गया था। निर्धारित योजना के तहत विमान को म्यांमार, चीन, पूर्वी चीन सागर, जापान और अलास्का की खाड़ी के ऊपर से होते हुए वैंकूवर पहुंचना था। लेकिन जब विमान चीन के क्यूजिंग शहर के ऊपर उड़ान भर रहा था, तब कुछ ऐसी परिस्थितियां बनीं कि पायलट को मिशन बीच में ही छोड़ने का फैसला लेना पड़ा। दोपहर करीब 3:30 बजे विमान ने क्यूजिंग के ऊपर से मोड़ लिया और वापस दिल्ली की ओर रुख किया। करीब चार घंटे की उड़ान के बाद यू-टर्न लेने वाला यह विमान कल शाम 7:30 बजे वापस दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड कर गया। हालांकि, एयरलाइन की ओर से इस अचानक यू-टर्न के सटीक तकनीकी या परिचालन कारणों का खुलासा आधिकारिक तौर पर नहीं किया गया है, लेकिन एयरपोर्ट सूत्रों का कहना है कि विपरीत परिस्थितियों के चलते सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया। इस घटनाक्रम के कारण अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा।

ईद की मुबारकबाद

दैनिक क्षितिज किरण परिवार की ओर से ईद की सभी पाठकों को मुबारकबाद

-संपादक

अवकाश की सूचना

दैनिक क्षितिज किरण के कार्यालय में दिनांक 21 मार्च 2026 को ईद के अवसर पर अवकाश रहेगा।

-प्रबंधक

उज्जैन की क्षिप्रा नदी में गंदे पानी में नहाने को मजबूर श्रद्धालू

सुविधाओं से वंचित खुले में कपड़े बदलने को मजबूर महिलाएं

उज्जैन (संदीप पंडा)। कहने को तो उज्जैन एक ऐसे धार्मिक स्थलों में शुमार है जहां लाखों भक्त अपने आराध्य शिव की आराधना व उनके दर्शन करने के लिए हमेशा आतुर रहते है, और लाखों भक्त रोजाना देश के अलग अलग राज्यों से पहुंचते है। लेकिन उज्जैन के रामघाट में असुविधाओं के कारण श्रद्धालु हमेशा निराश व सुविधाओं को लेकर अभावयुक्त नजर आते है। हमारे संवाददाता द्वारा शुक्रवार को वहां मौजूद सुविधाओं का जायजा लेने पहुंचे तो पता चला कि वहां आये श्रद्धालू क्षिप्रा नदी के गंदे पानी में स्नान करने के मजबूर है कहने को तो पुराणों अनुसार क्षिप्रा नदी का बहुत महत्व है और श्रद्धालुओं पर क्षिप्रा नदी में स्नान करके महाकाल के दर्शन करने की रीति पुरानी परम्परा है जिसे श्रद्धालु बखूबी निभाते भी है। लेकिन शुक्रवार रामघाट में मौजूद कुछ श्रद्धालु न करते हुए भी स्नान किया तो कई श्रद्धालू बिना स्नान किये होटलों व धर्मशालाओं में जाकर स्नान करने को मजबूर हुए। उज्जैन में साल 2028 में होने जा रहे सिंहस्थ को लेकर सरकार ने कुछ तैयारियों को आरंभ तो कर दिया है लेकिन वर्तमान स्थिति में क्षिप्रा का जल रोजाना की तरह ही गंदा दिखा, लेकिन क्या सिंहस्थ जैसे अवसरों पर ही क्षिप्रा का जल प्रदूषित मुक्त करने की मुहिम पर जोर दिया जायेगा, जब प्रतिदिन महाकाल की नगरी में हजार से लेकर लाख श्रद्धालु वहां पहुंचते है जिसमें

फाईल फोटो

हजारों की तादाद में रामघाट में स्नान करने रोजाना पहुंचते है तो क्या संबंधित आला अधिकारियों को इस ओर ध्यानाकर्षित करने की जरूरत नहीं है।

क्षिप्रा का जल केवल कृषि और औद्योगिक इस्तेमाल के लायक

मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी की गई साल 2024-25 की रिपोर्ट में बताया गया है कि क्षिप्रा का पानी डी कैटेगिरी का है. इस पानी का इस्तेमाल पीने या नहाने के लिए नहीं किया जा सकता है. दरअसल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने देवास और उज्जैन जिले में स्थित क्षिप्रा नदी के 16 घाटों के पानी की जांच कराई. जिसमें सामने आया कि 16 स्थानों में से लिए सैंपल में एक स्थान पर ए, दो स्थानों पर सी और 13 स्थानों पर डी कैटेगिरी का पानी मिला है. ऐसे जल का इस्तेमाल केवल मत्स्य पालन, औद्योगिक इस्तेमाल या कृषि के लिए ही किया जा सकता है।

महिलाओं को नहाने से लेकर कपडे बदलने की परेशानी

घाट पर सबसे अधिक परेशानी महिलाओं को झेलनी पड़ती है, घाट पर अंजान व्यक्तियों द्वारा महिलाओं को नहाते व कपडे बदलते समय घूरना व गंदे शब्दों से एक दूसरे के साथ ठहाके लगाना। ऐसे में सवाल इस बात को लेकर भी उठना लाजमी है कि जब सैकडों महिलाएं वहां स्नान करने के लिये जाती है तो वहां कपडे बदलने के लिये सुरक्षित स्थाई चेंजिंग बॉक्स क्यों नहीं रखे जाते? क्या सिंहस्थ व विशेष पर्व में ही इस सुविधाओं का लाभ काफी है। वहां खडे आसामाजिक व्यक्तियों को बेवजह क्यों खडा रहने दिया जाता है, वहां पर पुलिस का कोई जवान क्यों नहीं मौजूद रहता? यदि महाकाल मंदिर निर्माण में करोंडों रूपयों को खर्च किया जा सकता है तो उज्जैन नगरी की सुप्रसिद्ध क्षिप्रा नदी को भी प्रदूषित मुक्त बनाना जरूरी है।

सिंहस्थ-2028 में दुनिया देखेगी सनातन संस्कृति का वैभव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गुड़ी पड़वा, सृष्टि आरम्भ उत्सव पर धर्मनगरी उज्जैन में राम घाट पर हुआ भव्य आयोजन

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धार्मिक नगरी उज्जैन का परमात्मा ने भाग्य विशेष रूप से लिखा है। जो भी व्यक्ति एक बार उज्जैन आता है, उसका जीवन संवर जाता है। मां शिप्रा के पावन तट पर बसी यह नगरी अनादि काल से अस्तित्व में है और हर युग में इसकी महिमा अक्षुण्ण रही है। उज्जैन, जिसे प्राचीन काल में अवंतिका और उज्जयिनी के नाम से जाना जाता था, 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक श्री महाकालेश्वर का धाम है। वर्षप्रतिपदा के इस विशेष दिन विक्रम संवत 2083 के आगमन का उल्लास पूरे शहर में देखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को विक्रमोत्सव-2026 अंतर्गत उज्जैन के राम घाट पर आयोजित सृष्टि आरंभ उत्सव का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज जब दुनिया आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन का उपयोग युद्ध में कर रही है, वहीं ड्रोन तकनीक उज्जैन में देवी-देवताओं की झलक आस्था और संस्कृति का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रही है। यह सनातन संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उज्जैन के महान सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांताओं को परास्त कर राष्ट्र की रक्षा की और सुशासन की मिसाल कायम की। उनका 32 पुतलियों वाला सिंहासन, नवरत्नों की विद्वता, वीरता और दानशीलता आज भी प्रेरणा का स्रोत है। आज विक्रमादित्य की इसी गौरवगाथा को पुनर्जीवित करते हुए पूरे प्रदेश में विक्रमोत्सव-2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह उत्सव न केवल संस्कृति का उत्सव है, बल्कि सुशासन और प्रशासनिक आदर्शों की पुनर्स्थापना का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में आगामी सिंहस्थ-2028 की तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं। इस बार का सिंहस्थ अभूतपूर्व और ऐतिहासिक होने वाला है। उज्जैन

को जोड़ने वाले सभी मार्गों को फोरलेन और सिक्सलेन बनाया जा रहा है, वहीं मां शिप्रा के तट पर लगभग 30 किलोमीटर लंबे नवीन घाट विकसित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन को व्यापार और उद्योग की दृष्टि से भी विकसित किया जा रहा है। विक्रम उद्योगपुरी, मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12,500 एकड़ का औद्योगिक क्षेत्र पूर्ण रूप से विकसित हो चुका है और अतिरिक्त 5 हजार एकड़ क्षेत्र में नया पार्क तैयार किया जा रहा है। साथ ही नए एयरपोर्ट और हेलीकॉप्टर सेवाओं की योजना से धार्मिक तीर्थाटन को नई ऊंचाई देने का प्रयास है। आने वाले समय में उज्जैन न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक, औद्योगिक और वैश्विक पहचान का केंद्र बनेगा। जब 2028 में सिंहस्थ का विराट स्वरूप दुनिया के सामने आएगा, तब पूरी दुनिया सनातन संस्कृति का वैभव देखेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत 19 मार्च को गुड़ी पड़वा, सृष्टि आरम्भ उत्सव के पावन अवसर पर धर्मनगरी उज्जैन में भव्य और आकर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिप्रा तट स्थित रामघाट,दत्त अखाड़ा घाट पर आयोजित इस महोत्सव में आस्था, संस्कृति और आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। इसके बाद प्रसिद्ध पार्श्व गायक विशाल मिश्रा ने अपनी मधुर आवाज से श्रद्धालुओं और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने संगीत का आनंद लिया और नववर्ष का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। गुड़ी पड़वा, जिसे हिंदू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि के प्रारंभ का प्रतीक माना जाता है, से पूरे शहर में धार्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा।

भव्य ड्रोन-शो, लेजर-शो और आकर्षक आतिशबाजी से आकाश को भर दिया रोशनी और रंगों से

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भव्य ड्रोन-शो, लेजर-शो और आकर्षक आतिशबाजी रही, जिसने शिप्रा तट के आकाश को रोशनी और रंगों से भर दिया। ड्रोन-शो के माध्यम से धार्मिक एवं सांस्कृतिक संदेशों का मनोहारी प्रदर्शन किया गया, जिससे उपस्थित जनसमूह अभिभूत हो उठा।

विभिन्न साहित्य का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा कार्यक्रम में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ का विक्रम पंचांग 2083, संस्कृति संचालनालय का कला पंचांग, बिमल कृष्ण दास की 84 महादेव, रामस्वरूप दास की ओरछाधीश, वीर भारत न्यास के महर्षि अत्रि, महर्षि अंगिरा, धनवंतरी, महर्षि अगस्त्य, भरत मुनि के भारत निधि मोनोग्राफ, महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ की अष्टावक्र गीता, नारद गीता, ब्राह्मण गीता, गर्भ गीता, उत्तर गीता का विमोचन किया।

सीएसएमटी-गोरखपुर-सीएसएमटी के मध्य प्रतिदिन स्पेशल ट्रेन

मंडल के इटारसी, भोपाल एवं बीना स्टेशनों पर ठहराव

भोपाल (निप्र)। रेलवे द्वारा आगामी समर पर यात्रियों की सुविधा हेतु एवं उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01079/01080 छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस-गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल से होकर अपने गंतब्य को जाएगी। इस स्पेशल ट्रेन का पश्चिम मध्य रेल के क्षेत्राधिकार में आने वाले समय-सारणी का विवरण निम्नानुसार है:-

सीएसएमटी-गोरखपुर-सीएसएमटी प्रतिदिन स्पेशल ट्रेन

गाड़ी संख्या 01079 सीएमएमटी से गोरखपुर स्पेशल ट्रेन यात्रा मांग पर 01 अप्रैल से 14 अप्रैल 2026 तक (14 ट्रिप) एवं समर के अवसर पर 15 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक (16 ट्रिप) प्रतिदिन सीएमएमटी स्टेशन से रात 22:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन इटारसी दोपहर 13:05 बजे, भोपाल 15:55 बजे, बीना 18:15 बजे पहुँचकर मार्ग से होते हुए तीसरे सुबह 10:00 बजे गोरखपुर स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01080 गोरखपुर से सीएमएमटी स्पेशल ट्रेन यात्रा मांग पर 03 अप्रैल से 16 अप्रैल 2026 तक (14 ट्रिप) एवं समर के अवसर पर 17 अप्रैल से 02 मई 2026 तक (16 ट्रिप) प्रतिदिन गोरखपुर स्टेशन से दोपहर 14:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन बीन सुबह 06:10 बजे, भोपाल 08:30 बजे, इटारसी 10:30 बजे पहुंचकर और तीसरे दिन मध्यरात्रि 00:40 बजे सीएमएमटी स्टेशन पहुँचेगी।

कोच कम्पोजीशन:- इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 06 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 09 शयनयान श्रेणी, 04 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 22 कोच रहेंगे।

ट्रेन के हाल्ट:- रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में दादर, ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, खण्डवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, कानपूर सेन्ट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती एवं खलीलाबाद स्टेशनों पर रुकेगी। यात्री सुविधा का लाभ लेते हुए स्पेशल ट्रेन के ठहराव की विस्तृत जानकारी स्टेशन, एनटीइएस या रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन रेलवे वेबसाइट से प्राप्त कर सकते है।

प्राइम लोकेशन पर हाउसिंग बोर्ड बेचेगा संपत्ति

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड भोपाल की प्राइम लोकेशन पर अपनी प्रॉपर्टी बेचेगा। दो दिन के आवास मेले की शुक्रवार से शुरुआत हो गई। 800 से ज्यादा लोग साइट विजिट के साथ बुकिंग भी करा रहे हैं। शनिवार को भी मेला लगेगा।पर्यावास भवन में मेला आयोजित हो रहा है। इसमें राजधानी में उपलब्ध हाउसिंग बोर्ड की सभी प्रॉपर्टी की यहां जानकारी दी जा रही है। साथ ही संपत्ति की तत्काल बुकिंग भी की जा रही है। मेले में भोपाल की सभी नई और पुरानी प्रॉपर्टी की जानकारी एक छत के नीचे है। मेले में फ्री साइट विजिट की सुविधा और फ्री में बुकिंग फॉर्म भरने की सुविधा भी है। मेले में पहले दिन 800 से ज्यादा लोगों ने प्रॉपर्टी की इंक्वारी की। वहीं करीब 40 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी की ऑन स्पॉट बुकिंग की गई। सबसे ज्यादा बुकिंग बाग मुगलिया, कटारा हिल्स के सेफायर पार्क सिटी में हुई। इस प्रोजेक्ट में लगभग 25 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी बुक की गई। खजूरीकलां अवधपुरी में बोर्ड के डुप्लेक्स और ट्री प्लेक्स मकानों के प्रोजेक्ट में लगभग 10 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी की बुकिंग हुई। वहीं, सुरम्य परिसर, लवकुश हाइट्स, गौरव नगर और दूसरी ओल्ड प्रॉपर्टी में लगभग 5 करोड़ रुपए तक की बुकिंग हुई। कल मेले का आखिरी दिन है।

प्रभारी मंत्री श्रीमती उइके ने सरई में मल्टीस्पेशियलिटी मेगा स्वास्थ्य शिविर का किया अवलोकन

भोपाल (निप्र)। सरई के संदीपनी विद्यालय मैंदान में आयोजित मल्टीस्पेशियलिटी मेगा स्वास्थ्य शिविर का प्रभारी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों से मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। प्रभारी मंत्री स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न बिमारियों जैसे नाक-कान-गला, सामान्य मेडिसन, हृदय रोग, श्वास एवं क्षय रोग (राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम), चर्म रोग, नेत्र रोग, मानसिक स्वास्थ्य, स्त्री रोग, सर्जरी एवं कैंसर, हड्डी रोग तथा दंत चिकित्सा कुष्ठ रोग स्क्रीनिंग, कैसर स्क्रीनिंग, क्षय रोग स्क्रीनिंग, जैसी सेवाएं के लिये लगाये कैम्प का अवलोकन किया। उन्होंने शिविर में मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उपचार की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया। मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि इस तरह के शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीजों की जांच की और उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। साथ ही गंभीर रोगों से ग्रसित मरीजों को आगे के उपचार के लिए चिन्हित किया गया। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन नियमित रूप से किया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। मल्टीस्पेशियलिटी मेगा स्वास्थ्य शिविर के दौरान प्रभारी मंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगाई गई पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने संतुलित आहार का स्वाद चखा और उसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी ली। नवरात्रि के पावन अवसर पर मंत्री श्रीमती उइके ने कन्याओं का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इसके साथ ही उन्होंने शिविर में उपस्थित गर्भवती महिलाओं से संवाद किया, उनकी सेहत और देखभाल से जुड़ी जानकारी ली तथा उन्हें और उनके आने वाले बच्चों के स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की।

भोपाल में कटारा हिल्स में आग, लेट पहुंची दमकल, रजाई-गद्दे की दुकान में घटना; 20 फीट तक ऊपर उठी आग की लपटें

भोपाल (निप्र)। कटारा हिल्स स्थित एक रजाई-गद्दे की दुकान में देर रात आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि लपटें 20 फीट तक ऊपर उठ गईं। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो आग पर जल्दी काबू पा लिया जाता, लेकिन फायर ब्रिगेड ही करीब 45 मिनट देरी से मौके पर पहुंची।कटारा हिल्स के स्प्रिंग वैली में श्री वृंदावन फास्ट फूड एंड रेस्टोरेंट है। ठीक इसके पास रजाई-गद्दे की दुकान है। गुरुवार-शुक्रवार की देर रात इसी दुकान में आग लगी। राहगीर और आसपास के लोगों ने तुरंत दमकल बुलाने के लिए फायर स्टेशन पर कॉल किया, लेकिन पौन घंटे तक दमकल मौके पर ही नहीं पहुंची। इससे लोगों में नाराजगी देखने को मिली।आगजनी का मौके पर मौजूद लोगों ने वीडियो भी बताया। एक महिला ने कहा कि पौन घंटा तक दमकल मौके पर नहीं आई। जब आई तो उसमें कर्मचारियों ने खराब बताई। फिर कुछ संसाधन ढूंढने लगे। जब संसाधन मिले तो गाड़ी ठीक की गई और फिर आग बुझाई गई। हालांकि, तब तक पूरी दुकान जल चुकी थी।

डीआरएम भोपाल द्वारा बरखेड़ा, चौका, मिडघाट एवं बुधनी स्टेशनों का संरक्षा निरीक्षण

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) पंकज त्यागी द्वारा 20 मार्च को रानी कमलापति-बुधनी खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया साथ ही बरखेड़ा, चौका, मिडघाट एवं बुधनी रेलवे स्टेशनों का व्यापक संरक्षा निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का उद्देश्य रेल संचालन की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा यात्री सुविधाओं की गुणवत्ता का आकलन करना रहा। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, पुल-पुलियों, रेलवे क्रॉसिंग तथा अन्य महत्वपूर्ण संरचनाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी संरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाए। मिडघाट एवं बुधनी जैसे घाट सेक्शन में विशेष रूप से ट्रैक की स्थिति, ढलान वाले क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों तथा ट्रेन संचालन की सतर्कता की समीक्षा की गई। डीआरएम ने कहा कि घाट सेक्शन में संरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यहां अतिरिक्त सतर्कता बरतना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं जैसे प्लेटफॉर्म स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था एवं सूचना प्रणाली का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि यात्रियों को बेहतर एवं सुरक्षित यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सुधार शीघ्र किए जाएं। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रोहित मालवीय सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित विभागों के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

राज्यसभा की दौड़ से पीछे हटे जीतू पटवारी, दिग्विजय सिंह के नाम पर बढ़े कयास!

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने खुद को राज्यसभा की दौड़ से अलग करते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि मेरे अलावा कोई भी साथी राज्यसभा जा सकता है। उनके इस बयान के बाद वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का नाम एक बार फिर चर्चा में आ गया है।भोपाल में शुक्रवार को कथावाचक मोहित नागर को कांग्रेस की सदस्यता दिलाने के बाद मीडिया से बातचीत में पटवारी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का पद बेहद जिम्मेदारी भरा होता है और इसमें 24 घंटे भी कम पड़ते हैं, इसलिए वे इस रेस में नहीं हैं।दिग्विजय सिंह पर क्या बोले पटवारी जब उनसे दिग्विजय सिंह के संभावित उम्मीदवार होने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि बिल्कुल हो सकते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय पार्टी हाईकमान ही करेगा। हालांकि, खुद दिग्विजय सिंह पहले तीसरी बार राज्यसभा न जाने की इच्छा जता चुके हैं, लेकिन पटवारी के बयान के बाद उनके नाम को लेकर अटकलें फिर तेज हो गई हैं। राज्यसभा सीट को लेकर बढ़ा गणित और टेंशनमध्य प्रदेश में जून में खाली हो रही राज्यसभा सीट को लेकर कांग्रेस में लगातार मंथन जारी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा विजयपुर विधायक मुकेश मल्होत्रा को मतदान का अधिकार न दिए जाने और अन्य राज्यों में हुई क्रॉस वोटिंग के बाद पार्टी के अंदर रणनीतिक चिंता भी बढ़ गई है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, पटवारी का बयान एक रणनीतिक संकेत हो सकता है, जिसमें पार्टी अनुभव और संगठनात्मक संतुलन साधने की कोशिश कर रही है।

विकसित भारत युवा संसद 2026: मंत्री विश्वास सारंग राज्य स्तरीय समापन कार्यक्रम में हुए सम्मिलित

भोपाल (ए.)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग शुक्रवार को मध्यप्रदेश विधानसभा परिसर स्थित मानसरोवर भवन में आयोजित विकसित भारत युवा संसद 2026 प्रतियोगिता के राज्य स्तरीय समापन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवा प्रतिभागियों से संवाद किया एवं उनके विचारों की सराहना कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रदेश के 54 जिलों से चयनित 270 युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से शीर्ष 3 प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। मंत्री श्री सारंग ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह मंच केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए विचारों की ऊर्जा का केंद्र है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रमुख ध्वजवाहक हैं। विकसित

युवा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के ध्वजवाहक : मंत्री विश्वास सारंग

भारत 2047 का संकल्प तभी साकार होगा, जब युवा संस्कारित, अनुशासित और जिम्मेदार होंगे। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को नवाचार, स्टार्टअप, तकनीक, शोध एवं नेतृत्व के क्षेत्र में व्यापक अवसर प्रदान कर रही है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही प्रदेश एवं देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति सुनिश्चित की जा सकती है। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा युवाओं को सशक्त बनाने हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें खेलो एमपी यूथ गेम्स, प्रत्येक विधानसभा में खेल परिसर की स्थापना, पार्थ योजना, फिट इंडिया क्लब, मध्यप्रदेश युवा प्रेरक अभियान, युवा उत्सव, खेलो बढ़ो अभियान तथा सहकारिता के माध्यम से खेल एवं युवा गतिविधियों को प्रोत्साहन शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक युवा को चेंजमेकर के रूप में विकसित करना है। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए मंत्री श्री सारंग ने कहा कि विकसित भारत युवा संसद का मुख्य उद्देश्य युवाओं को संसदीय प्रक्रिया एवं लोकतांत्रिक मूल्यों से परिचित कराना, उनके नेतृत्व, संवाद एवं निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना तथा समसामयिक राष्ट्रीय मुद्दों पर उनके विचारों को मंच प्रदान करना है। इससे विकसित भारत 2047 के विज़न में युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित होगी।

घर से बुलाकर युवक पर तलवार से जानलेवा हमला, हालत गंभीर

भोपाल(ए.)। शहर के कमला नगर थाना इलाके में बीती रात एक युवक के घर पहुंचे आधा दर्जन बदमाशो ने पहले तो उसे बात करने के लिये बाहर बुलाया और फिर विवाद करते हुए उस पर तलवारों से हमला कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। युवक को लहूलुहान कर बदमाश उसे मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला कायम कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक न्यू शबरी नगर में रहने वाला 21 वर्षीय अंकित खटीक पोस्ट ऑफिस कार्यालय में काम करता है। बीती रात वह अपने घर पर था, तभी उसे बुलाने के लिए अमन चोटी आया। उसके बुलाने पर वह घर के बाहर गया तो देखा की आरोपी अमन के साथी विपिन, मन्नू, भोला व एक अन्य युवक भी मौजूद थे। सभी ने उसके साथ गाली-गलौच करते हुए घेरकर जमकर मारपीट की और फिर उस पर तलवारों से हमला कर दिया घायल कर दिया। अमन के चीखने की आवाजे सुनकर परिजन और आसपास के लोग बाहर आए जिन्हें देख बदमाश अमन को जान से मारने की धमकी देकर वहॉ से भाग गए। बाद में परिवार वालो ने उसे इलाज के लिये अस्पताल पहुचांया जहॉ उसका उपचार जारी है। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस ने फरार आरोपियो के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है। पुलिस का मानना है की फरियादी के साथ आरोपियो ने पुरानी रजिंश के चलते मारपीट की है, हालांकि घटना के सही कारणो का खुलासा आरोपियो की गिरफ्तारी के बाद ही हो सकेगा।

अलविदा जुमा पर इबादत में डूबा शहर, मस्जिदों में उमड़ी भीड़, अमन-चैन के लिए मांगी दुआएं

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में रमजान के पवित्र महीने के आखिरी शुक्रवार 'अलविदा जुमा' पर शहर में गहरी आस्था और इबादत का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही मस्जिदों के बाहर नमाजियों की भीड़ जुटने लगी और दोपहर तक प्रमुख मस्जिदें पूरी तरह भर गईं।शहर की ऐतिहासिक ताज-उल-मसाजिद, मोती मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज अदा की। इस दौरान देश में अमन, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं। अलविदा जुमा के मौके पर नमाजियों में खासा उत्साह नजर आया। कई लोगों ने हाथों पर काली पट्टी बांधकर भी नमाज अदा की। मस्जिदों के आसपास व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन और सामाजिक संगठनों की सक्रियता भी देखने को मिली।धर्मगुरुओं ने अपने संबोधन में कहा कि रमजान आत्मसंयम, सब्र और नेक रास्ते पर चलने का संदेश देता है। इस महीने में अपनाई गई अच्छाइयों को पूरे साल जारी रखना ही इसकी असली भावना है। नमाज के बाद लोगों ने जरूरतमंदों को जकात और सदका दिया। मस्जिदों के बाहर रोजेदारों के लिए पानी, खजूर और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था भी की गई। अलविदा जुमा के साथ ही रमजान की रुख्सती का एहसास भी दिखा, वहीं लोगों में ईद को लेकर उत्साह भी नजर आने लगा है।

इंदौर अग्निकांड : पहले कार में, फिर बिजली पोल से होते हुए दूसरी मंजिल तक पहुंची थी आग; किसकी है लापरवाही ?

इंदौर (ए.)। इंदौर के ब्रजेश्वरी अग्निकांड में आग लगने के कारणों को लेकर अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कार के चार्जिंग प्वाइंट में लगी आग से मकान जला, जबकि मृतक मनोज पुगलिया के बेटे सौरभ का दावा है कि कार चार्ज नहीं हो रही थी और बिजली के पोल के कारण आग लगी। बिजली कंपनी का कहना है कि यदि पोल से आग लगी होती तो पहले धमाका होता और इलाके की बिजली गुल हो जाती, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पोल के पास कार खड़ी थी, जिससे पोल की केबलें जलीं और चिंगारियां उठीं।

कई स्तरों पर लापरवाही सामने आई

प्रारंभिक वीडियो में पहले कार जलती हुई दिखाई दे रही है और उसके बाद पोल में आग लगती नजर आती है। पोल की आग से पहली मंजिल पर जालियों पर लगा प्लास्टिक जला और आग दूसरी मंजिल तक पहुंच गई। फिलहाल इस अग्निकांड की जांच जारी है और रिपोर्ट अभी सामने नहीं आई है, लेकिन यह स्पष्ट है कि आग पर काबू पाने के प्रयासों में कई स्तरों पर लापरवाही सामने आई है।

चार्जिंग के समय अचानक चिंगारी भड़की

पुलिस और फायर ब्रिगेड की शुरुआती जांच में मकान में आग लगने की मुख्य वजह इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की चार्जिंग के दौरान हुआ शॉर्ट सर्किट माना गया है। चार्जिंग के समय अचानक चिंगारी भड़की, जिससे वाहन में आग लगी और कार की बैटरी में भी विस्फोट हुए। हालांकि सौरभ का कहना है कि कार चार्जिंग पर नहीं थी और आग बिजली के पोल के कारण लगी।

बिजली कंपनी के कार्यपालन यंत्री डी.के. तिवारी के अनुसार ट्रांसफार्मर ऑनलाइन सर्वर से जुड़ा है और डेटा के अवलोकन में यह पाया गया कि आग पहले बिजली पोल पर नहीं लगी। यदि ऐसा होता तो शॉर्ट सर्किट से ट्रांसफार्मर का फेज उड़ जाता और क्षेत्र की बिजली स्वत: बंद हो जाती, जबकि ऐसा नहीं हुआ। मकान में आग लगने के बाद ही बिजली विभाग ने आपूर्ति बंद की। वहीं पुलिस की फोरेंसिक जांच में ईवी कार और चार्जिंग से जुड़े साक्ष्य जुटाए गए हैं, हालांकि आग बुझाने के दौरान कई सबूत नष्ट हो गए।

इतनी सी बात पर हत्या! भाभी ने इस काम से किया इनकार तो देवर का खौल उठा खून, मरने तक डंडे से पीटता रहा वहशी

रायसेन (ए.)। रायसेन जिले के सलामतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खोहा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते खूनी रूप ले लिया। घरेलू विवाद में एक देवर ने अपनी ही भाभी की डंडों से बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका घर पर खाना बना रही थी, तभी उसका देवर रामू मालवीय वहां पहुंचा और उसने भाभी से चाय बनाने के लिए कहा। किसी कारणवश भाभी ने चाय बनाने से इनकार कर दिया, जिससे दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते यह विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने आपा खो दिया और पास में रखे डंडे से भाभी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

बताया जा रहा है कि घटना के समय घर में मृतका का 8 वर्षीय बेटा भी मौजूद था, जिसने अपनी मां पर हो रहे इस हमले को अपनी आंखों के सामने देखा। आरोपी ने बच्चे की मौजूदगी में ही महिला को तब तक पीटा जब तक उसकी मौके पर ही मौत नहीं हो गई। घटना के समय मृतका का पति और अन्य परिजन खेत पर काम करने गए हुए थे। जब उन्हें इस घटना की जानकारी मिली तो वे तत्काल घर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सूचना मिलते ही सलामतपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर उसे सांची सिविल अस्पताल भेज दिया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

विदिशा में अचानक बदला मौसम, बड़े-बड़े ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलें प्रभावित

विदिशा(ए.)। विदिशा जिले के कुरवाई तहसील क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर अचानक बदले मौसम ने किसानों के लिए भारी तबाही का मंजर खड़ा कर दिया। मंडी बामोरा बेल्ट में आई तेज आंधी, गरज-चमक और भीषण ओलावृष्टि ने देखते ही देखते खेतों में खड़ी पकी फसलों को बर्बाद कर दिया।

नवचंडी मेले में लगी अचानक आग से तीन दुकानें हुई राख, समय रहते लोग बाहर निकले; बड़ा हादसा टला

नवचंडी मेले की तीन दुकानों में लगी अचानक आग।

खंडवा (ए.)। खंडवा शहर के प्रसिद्ध नवचंडी मेले में शुक्रवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई, जिससे यहां लगीं तीन दुकानें पूरी तरह से जलकर राख हो गईं। गनीमत रही कि, समय रहते लोगों को इस क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि आग लगने की वजह तो अब तक साफ नहीं हो पाई है, लेकिन वहां मौजूद लोगों द्वारा अनुमान लगाया जा रहा है कि पास के कूड़े के ढेर में सुलग रही आग ने मेले की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग की लपटें इतनी भयावह थीं कि आसपास की दुकानों तक खलबली मच गई। लोग आसपास से पानी लेकर आग बुझाने की कोशिश करने लगे। कुछ देर बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक अस्थायी रूप से लगाई गईं तीन दुकानें पूरी तरह से जलकर राख हो चुकी थीं। मेले में लगी इस आग से दुकानों में लाखों रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया। यहां दुकानदारों का आरोप है कि, मेले के आयोजकों की लापरवाही के चकते ही यह हादसा हुआ है। इधर फिलहाल मोघट थाना पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस के अनुसार मेले का समापन नजदीक होने के चलते कई दुकानों में सामान कम बचा था, और आसपास की कुछ दुकानें तो पहले से ही खाली थीं, जिससे नुकसान सीमित रहा।

बता दें कि, नवचंडी मेला खंडवा का एक प्रसिद्ध मेला है, जो हर साल आयोजित किया जाता है। इस मेले में देशभर से लोग आते हैं और खरीदारी करते हैं। इधर इन दिनों चैत्र नवरात्र भी चल रहा है जिसके चलते भी इस समय मेले में काफी भीड़ देखने को मिल रही है। इसी बीच हुई आज अचानक आग लगने की इस घटना से मेले में अफरा-तफरी मच गई। लेकिन सुबह का समय होने से उस समय मेले में ग्राहकी कम थी जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

उज्जैन-भोपाल रेलवे लाइन पर हादसा, ब्रिज की मरम्मत के दौरान क्रेन नदी में गिरी, रेल यातायात प्रभावित

उज्जैन (ए.)। उज्जैन जिले के तराना रोड स्थित पुराने रेलवे पुल पर मरम्मत कार्य के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। शुक्रवार सुबह जब गार्डर बदलने के लिए भारी क्रेन का इस्तेमाल किया जा रहा था, तभी संतुलन बिगड़ने से पूरी क्रेन गार्डर सहित सीधे नदी में गिर गई। यह घटना उज्जैन से मात्र 30 किलोमीटर दूर टिल्लर नदी क्षेत्र में हुई, जहां भोपाल-उज्जैन रेल लाइन गुजरती है। हादसे की तीव्रता इतनी थी कि आसपास अफरा-तफरी मच गई और रेलवे प्रशासन तुरंत अलर्ट मोड पर आ गया। राहत की बात यह रही कि क्रेन चालक समेत सभी मजदूर सुरक्षित बच गए, लेकिन पुल की मरम्मत कार्य रुक गया और भोपाल रूट पर ट्रेनें प्रभावित हो गईं। इस घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि इससे पहले भी मध्य प्रदेश में ऐसे हादसे हो चुके हैं।

गर्डर बदलने का चल रहा था काम

गुरुवार से गर्डर बदलने के काम का शुरू किया गया था। पुराने रेल पुल को मजबूत बनाने के लिए रेलवे क्रेन की मदद से पुराने गर्डर हटाकर नई लगाने का काम करवाया जा रहा था। शुक्रवार को जब क्रेन गर्डर को उठा रही थी, तभी अचानक संतुलन बिगड़ गया और भारी मशीन नदी में जा गिरी। हादसे से आसपास के लोग दहशत में आ गए। रेलवे ने तुरंत राहत दल भेजा और क्रेन को निकालने का काम शुरू कर दिया।

व्यापार समाचार

LPG: 'अफवाहों पर विश्वास न करें, अपने सिलिंडर की डोर स्टेप डिलिवरी का इंतजार करें'; एलपीजी संकट पर सरकार

नई दिल्ली (ए.)। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने अंतर मंत्रालयी प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि देश की सारी रिफाइनरी अपनी पूरी क्षमता में काम कर रही है। उन्होंने कहा है कि घरेलू एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और हम लगातार उपभोक्ताओं से अपील कर रहे हैं, जहां भी संभव हो वे नेचुरल गैस अपनाने की ओर बढ़ें। इस संबंध में राज्य सरकारों को भी पत्र लिखे गए हैं। इस दिशा में पहल करने वाले राज्यों को अतिरिक्त 10% एलपीजी मुहैया कराने का भरोसा भी दिया गया है।

13700 से अधिक कनेक्शन दिए गए हैं और 7500 से अधिक लोग एलपीजी से पीएनजी पर शिफ्ट हुए हैं। ऑनलाइन बुकिंग्स में लगभग 93% की बुकिंग ऑनलाइन है। उनकी डिलिवरी की जा रही है। पैनिक बुकिंग कम हुई है। कल 55 लाख बुकिंग हुई है। सभी राज्यों के पास सप्लाई उपलब्ध है। पिछले एक हफ्ते में 11300 टन कमर्शियल एलपीपी उपभोक्ताओं को दी गई है। इस सप्लाई का 50 प्रतिशत शिक्षण संस्थाओं और अस्पतालों को मिला है।

लगभग 32 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम सेटअप किए गए हैं। जिला निगरानी समिति भी काम कर रहे हैं। पिछले 24 घंटों में लगभग 4500 जगहों पर छापेमारी की गई है। उत्तर प्रदेश में करीब 1100 जगहों पर छापेमारी की गई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने भी 1800 जगहों पर सरप्राइस इंस्पेक्शन किया है। एलपीजी के बारे में यही कहना है कि स्थिति अब भी चिंताजनक है, लेकिन उपभोक्ता अफवाहों पर ध्यान न दें और वैकल्पिक ईंधन का अधिक से अधिक उपयोग करने की कोशिश करें। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि एलपीजी के उत्पादन में लगभग 40त्न तक का इजाफा किया गया है।

गिरावट के बाद सोना-चांदी में जोरदार वापसी

- सोने में 3348 रुपए की तेजी, चांदी की भी चमक बढ़ी

नई दिल्ली (ए.)। गुरुवार को आई भारी गिरावट के बाद शुक्रवार को सोना और चांदी के वायदा बाजार में मजबूत सुधार देखने को मिला। घरेलू स्तर पर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स दोनों जगह कीमतें तेजी के साथ खुलीं और बढ़त के साथ कारोबार करती रहीं। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 3,348 रुपए की तेजी के साथ 1,48,302 रुपए पर खुला, जबकि पिछला बंद 1,44,954 रुपए था। कारोबार के दौरान यह करीब 1,47,754 रुपए के स्तर पर बना रहा। दिन में इसने 1,48,302 रुपए का उच्च और 1,47,406 रुपए का निचला स्तर छुआ। हालांकि इस साल सोना 1,80,779 रुपए के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुका है। वहीं चांदी के मई वायदा कॉन्ट्रैक्ट ने भी शानदार शुरुआत की। यह 8,488 रुपए की तेजी के साथ 2,39,948 रुपए पर खुला, जबकि पिछला बंद 2,31,460 रुपए था। खबर लिखे जाने के समय चांदी करीब 2,38,458 रुपए पर कारोबार कर रही थी। दिन का उच्च स्तर 2,40,000 रुपए और निचला स्तर 2,38,300 रुपए रहा। इस साल चांदी 4,20,048 रुपए प्रति किलो तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तेजी का रुख बना रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,653.90 रुपए प्रति औंस पर खुला और बढ़कर लगभग 4,697.60 रुपए पर पहुंच गया। वहीं चांदी 72.83 रुपए पर खुलकर 74.05 रुपए प्रति औंस के आसपास कारोबार करती दिखी।

रुपये में रिकॉर्ड गिरावट,19 पैसे टूटकर 93.08 प्रति डॉलर पर

- कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला

मुंबई (ए.)। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 19 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 93.08 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच अमेरिकी डॉलर में मजबूती एवं विदेशी पूंजी की निकासी जारी रहने से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला। हालांकि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक शुरुआत ने मुद्रा में और अधिक गिरावट को कुछ हद तक रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 92.92 पर खुला। हालांकि जल्द ही और गिरावट के साथ यह 93 के स्तर से नीचे चला गया तथा 93.08 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे कम है। रुपया बुधवार को 92.89 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा बाजार गुड़ी पड़वा के मौके पर गुरुवार को बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.25 पर रहा।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 325.72 अंक बढ़कर 74,532.96 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.35 अंक बढ़कर 23,114.50 पर बंद हुआ था। वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं आज बाजार में आईटी और पीएसयू बैंकिंग शेयरों में तेजी रही। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2.17 फीसदी और निफ्टी पीएसयू बैंक 2.07 फीसदी बढ़कर लाभ में रहे। निफ्टी फार्मा 1.99 फीसदी , निफ्टी हेल्थकेयर 1.89 फीसदी , निफ्टी मेटल 1.45 फीसदी , निफ्टी कमोडिटीज 1.28 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.96 फीसदी बढ़कर बंद हुए। वहीं निफ्टी रियल्टी 0.93 फीसदी , निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.73 फीसदी , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस 0.68 फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.52 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 363.20 अंक बढ़कर 54,855.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 14.35 अंक उछलकर 15,718.60 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, ट्रेंट, टाइटन, एनटीपीसी, सनफार्मा, एचसीएल टेक, इटरनल, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, भारती एयरटेल और अदाणी पोर्ट्स के शेयर लाभ में रहे जबकि एचडीएफसी बैंक, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और एलएंडटी के शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स 790.56 अंक बढ़कर 74,997.80 पर खुला। वहीं निफ्टी भी 208.05 अंक चढ़कर 23,210.20 के स्तर पर पहुंच गया। । यह गिरावट पिछले 21 दिनों की सबसे बड़ी एकदिवसीय गिरावट रही। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बेंजा ?मिन नेतन्याहू ने कहा कि संघर्ष जल्द समाप्त हो सकता है और ईरान की सैन्य क्षमताएं कमजोर हो चुकी हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इजरायल अब बिजली ढांचे को निशाना नहीं बनाएगा। वहीं डोनाल्ड ट्रम्प ने स्पष्ट किया कि अमेरिका फिलहाल किसी भी क्षेत्र में सैनिक नहीं भेज रहा है। इन बयानों से वैश्विक बाजारों में कुछ स्थिरता देखने को मिली है, जिसका असर भारतीय बाजार की मजबूती पर भी पड़ा।

जोमैटो ने बढ़ाई प्लेटफॉर्म फीस, हर ऑर्डर पर अब देना होगा 19.2 फीसदी ज्यादा चार्ज

नई दिल्ली (ए.)। जोमैटो ने एक बार फिर अपने ग्राहकों के लिए प्लेटफॉर्म फीस बढ़ा दी है। कंपनी के ऐप पर शुक्रवार को उपलब्ध बिलिंग डिटेल्स के अनुसार, प्लेटफॉर्म फीस में 19.2% यानी 2.40 प्रति ऑर्डर की बढ़ोतरी की गई है। अब यह शुल्क प्री-जीएसटी आधार पर 12.50 से बढ़कर 14.90 प्रति ऑर्डर हो गया है।

यह बढ़ोतरी ऐसे समय में आई है जब एलपीजी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के चलते रेस्टोरेंट्स और डिलीवरी पार्टनर्स की लागत बढ़ी है। बढ़ते ऑपरेशनल खर्च को संतुलित करने के लिए फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स कीमतों में बदलाव कर रहे हैं।

फ्लिपकार्ट ग्रुप के सीएफओ श्रीराम वेंकटरमन ने पद छोड़ा, निशांत वर्मन वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने

नई दिल्ली (ए.)। ई-कॉमर्स प्रमुख फ्लिपकार्ट ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसके ग्रुप मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) श्रीराम वेंकटरमन अपने पद से हट रहे हैं। वेंकटरमन कंपनी में सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए कुछ समय तक बने रहेंगे। इस अंतरिम अवधि के दौरान, फ्लिपकार्ट के सीएफओ रवि अय्यर संगठन में वित्तीय विभाग की देखरेख करेंगे।

वॉलमार्ट समर्थिक इस कंपनी ने वेंकटरमन के शीर्ष-स्तरीय बदलाव के साथ ही निशांत वर्मन को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कॉरपोरेट विकास और साझेदारी के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की है। वर्मन एक उद्यमी के रूप में अपना एक क्रॉस-बॉर्डर निर्यात मंच शुरू करने के बाद फ्लिपकार्ट में लौट रहे हैं। उन्होंने पहले माइक्रोसॉफ्ट की कॉरपोरेट विकास टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

प्रस्ताव पारित होने की संभावना नहीं

अविश्वास प्रस्ताव ओम बिरला के खिलाफ के जारी एवं गहराती गई शिकायतों को ऑन- रिकॉर्ड लाने की विपक्ष की कोशिश का हिस्सा है। वरना, विपक्ष भी अवगत रहा है कि इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है। संसदीय लोकतंत्र में पीठासीन अधिकारी पर सदन का कोई पक्ष अविश्वास जताए, तो उस पर खेद ही प्रकट किया जा सकता है। लेकिन भारत अभी ऐसे ही अफसोसनाक दौर में है। हाल के वर्षों में विपक्षी दलों में यह शिकायत गहराती चली गई है कि संसद के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों के लिए सत्ताधारी दल की प्राथमिकताएं संसदीय मर्यादा से अधिक अहम हो गई हैं। दोनों सदनों में इल्जाम लगाए जा चुके हैं कि पीठासीन अधिकारी सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। लोकसभा में तो एक मौके पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने खुलेआम कहा था कि प्रधानमंत्री और विपक्षी नेताओं से मुलाकात के दौरान स्पीकर ओम बिरला का व्यवहार और हाव-भाव अलग-अलग होता है। तृणमूल कांग्रेस के एक सदस्य ने इल्जाम लगाया था कि बिरला सत्ता पक्ष के सदस्यों को नेहरू युग की घटनाओं का उल्लेख करने की इजाजत देते हैं, लेकिन विपक्ष के सदस्य अगर नोटबंदी जैसी अपेक्षाकृत हालिया घटनाओं का जिक्र करें, तो उसे कार्यवाही से निकाल देते हैं। ऐसे आरोपों की श्रृंखला बहुत लंबी हो चुकी है। बिरला के खिलाफ के विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को इसी संदर्भ में देखा जाएगा।इसे जारी एवं गहराती गई शिकायतों को ऑन- रिकॉर्ड लाने की विपक्ष की कोशिश का हिस्सा माना जाएगा। वरना, विपक्षी दल भी वाकिफ रहे हैं कि सदन का गणित उनके पक्ष में नहीं है और इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है। प्रस्ताव पर बहस से पहले प्रधानमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री ने बिरला का जोरदार बचाव कर स्पष्ट कर दिया कि सत्ता पक्ष मजबूती से उनके हक में खड़ा है। अत: सत्ता पक्ष में इस पर किसी पुनर्विचार की संभावना तक नहीं है कि आखिर विपक्ष इस हद तक क्यों गया और क्या उसकी शिकायतों को दूर करने के लिए कुछ किया जाना चाहिए? नतीजतन, स्पीकर के खिलाफ विपक्ष की आपत्तियां संभवत: यथावत बनी रहेंगी, जिनका साया सदन की आगे की कार्रवाहियों पर पड़ता रहेगा। उस स्थिति में संवाद एवं अधिकतम सहमति निर्माण के मंच के बतौर सदन के आगे भी अपेक्षित भूमिका निभाने की उम्मीद कम ही है।

नीतीश कुमार के रास जाने के बाद बिहार किस ओर

-सौरभ वार्ष्णेय

बिहार की राजनीति एक बार फिर नए मोड़ पर खड़ी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा सीट फतह कर चुके हैं अब ऐसे में बिहार की राजनीति किस ओर करबट ले रही है साफ साफ दिख रहा है । भाजपा की कही बात सिद्व होने जा रही है कि भाजपा का मुख्यमंत्री होना चाहिए। अब स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि राज्य की बागडोर अब किसके हाथों में सौंपी जाएगी। यह केवल नेतृत्व परिवर्तन का प्रश्न नहीं, बल्कि शासन की निरंतरता, विकास की गति और राजनीतिक संतुलन का भी विषय है। वहीं क्या पर्ची निकाली जायेगी जैसा कि भाजपा नेतृत्व पहले भी कई राज्यों में विधायकों में से किसी एक की पर्ची निकालकर राजतिलक कर चुका है। हालांकि गठबंधन के बाद भाजपा के लिए आसान नहीं रहेगा।

अब अगर नीतीश कुमार की पार्टी की बात करें तो सबसे पहले, जेडीयू के भीतर नेतृत्व की तलाश तेज होगी। पार्टी में कई चेहरे हैं, लेकिन अनुभव, स्वीकार्यता और प्रशासनिक समझ के आधार पर ही अंतिम निर्णय होगा। साथ ही, सहयोगी दलों की भूमिका भी अहम हो जाएगी, क्योंकि बिहार की सरकार गठबंधन की राजनीति पर टिकी है। ऐसे में सहमति से नेता का चयन करना एक चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया हो सकती है।

दूसरी ओर, विपक्ष भी इस मौके को भुनाने की कोशिश करेगा। तेजस्वी के नेतृत्व में विपक्ष सरकार पर दबाव बनाने और अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने का प्रयास करेगा। यदि सत्तारूढ़ गठबंधन में किसी प्रकार की असहमति या नेतृत्व को लेकर भ्रम की स्थिति बनती है, तो विपक्ष इसे जनता के बीच एक मुद्दा बना सकता है।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने सुशासन, सड़क, शिक्षा और कानून-व्यवस्था के क्षेत्रों में कई बदलाव देखे हैं। ऐसे में जो भी नया नेता सामने आएगा, उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती इन

उपलब्धियों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने की होगी। साथ ही, उसे जनता के विश्वास को भी जीतना होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी होती है।यह कहा जा सकता है कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार का दायित्व केवल किसी एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि पूरे नेतृत्व तंत्र पर होगा। एक मजबूत, समन्वित और दूरदर्शी नेतृत्व ही राज्य को स्थिरता और विकास के पथ पर बनाए रख सकता है।

बिहार विधानसभा की सीटों पर बात करें तो कुल सीटें 243 है जिसमें बहुमत का आंकड़ा 122 है। दलवार सीट जिसमें भाजपा- 89, जेडी(यू) -85, एनडीए कुल - 174, राजद - 25, कांग्रेस -6, वाम दल (सीपीआई(एमएल), सीपीआई(एम)) - 3, महागठबंधन कुल- 34,एलजेपी (आरवी)- 19, एआईएमआईएम - 5, हैम(एस) - 5, आरएलएम- 4 सहित अन्य 2 हैं।

नीतीश कुमार के केंद्र में मंत्री बनने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। हालांकि, हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों—खासकर उनके राज्यसभा जाने की चर्चाओं—के बाद यह अटकलें जरूर तेज हुई हैं कि वे केंद्र की राजनीति में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। अगर वे राज्यसभा सदस्य बनते हैं, तो सैद्धांतिक रूप से केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होना संभव हो जाता है।खैर यह तो भविष्य के गर्त में है कि बिहार का मुख्यमंत्री कौन होगा? भाजपा से अगर कोई आता है तो यह समय सही है क्योंकि बिहार एक संभावनाओं और चुनौतियों का प्रदेश है।भारत के पूर्वी हिस्से में स्थित बिहार एक ऐसा प्रदेश है, जिसकी पहचान इतिहास, संस्कृति और संघर्षों के अनूठे संगम के रूप में होती है। यह वही धरती है, जहाँ प्राचीन काल में ज्ञान और सभ्यता के केंद्र विकसित हुए—चाहे वह नालंदा विश्वविद्यालय हो या विक्रमशिला विश्वविद्यालय। लेकिन आधुनिक समय में बिहार को अक्सर पिछड़ेपन और विकास की चुनौतियों के संदर्भ में देखा जाता है।

बिहार की सबसे बड़ी ताकत उसकी विशाल युवा आबादी है। यह जनसंख्या यदि सही दिशा में मार्गदर्शित हो, तो प्रदेश की तस्वीर बदल सकती है। कृषि यहाँ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन उद्योगों का अभाव और रोजगार के सीमित अवसर युवाओं को पलायन के लिए मजबूर करते हैं। यही कारण है कि बिहार के श्रमिक देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी मेहनत का लोहा मनवाते हैं। राजनीतिक दृष्टि से भी बिहार हमेशा चर्चा में रहा है। नीतीश कुमार जैसे नेताओं ने सुशासन और विकास के मुद्दों को केंद्र में लाने की कोशिश की है, लेकिन राजनीतिक अस्थिरता और गठबंधन की मजबूरियाँ अक्सर नीतियों की निरंतरता में बाधा बनती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार के प्रयास हुए हैं, परंतु अभी भी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। सामाजिक दृष्टिकोण से बिहार में बदलाव की एक नई लहर दिखाई दे रही है। महिलाओं की शिक्षा और सहभागिता बढ़ी है, पंचायत स्तर पर उनकी भागीदारी ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। वहीं, आधारभूत संरचना—सड़क, बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी—में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि बिहार के सामने चुनौतियाँ कम नहीं हैं। भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था की स्थिति, और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। विकास की रफ्तार को तेज करने के लिए सरकार और समाज दोनों को मिलकर प्रयास करना होगा। बिहार एक विरोधाभासों का प्रदेश है—जहाँ अपार संभावनाएँ हैं, लेकिन उन्हें साकार करने के लिए ठोस इच्छाशक्ति और दीर्घकालिक दृष्टि की जरूरत है। यदि सही नीतियाँ और जनसहयोग मिल जाए, तो वह दिन दूर नहीं जब बिहार फिर से अपने गौरवशाली अतीत की तरह देश के विकास का अग्रदूत बन सकेगा।

विद्युत क्षेत्र में भारत के नेतृत्वकारी क्षमता की राह बुलंद करना: नई विकास गाथा को ऊर्जा प्रदान कर रहा है भारत

मनोहर लाल

प्राचीन प्रार्थना तमसो मा ज्योतिर्गमय - अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो - केवल आध्यात्मिक आकांक्षा भर नहीं, अपितु आधुनिक भारत की गाथा को भी दर्शाती है। बीते दशक में, कभी लगातार कमी से परिभाषित होने वाले विद्युत इकोसिस्टदम को दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते, सबसे वैविध्यिपूर्ण और सुधार-प्रेरित विद्युत बाज़ारों में से एक में परिवर्तित कर हमने इस आदर्श भावना को वास्तविकता में बदल दिया है।

जैसे-जैसे भारत स्वयं को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र, उभरती हुई डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित कर रहा है, वैसे-वैसे विद्युत क्षेत्र हमारी राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता की आधारशिला बन गया है।

पिछले दशक में, हमने उत्पादन और पारेषण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे राष्ट्रीय ऊर्जा की कमी वित्त वर्ष 2013-14 में 4.2 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 तक मात्र 0.03 प्रतिशत रह गई है। केवल वित्त वर्ष 2025-26 में ही (जनवरी 2026 तक), सभी स्रोतों से रिकॉर्ड 52.53 गीगावाट क्षमता जोड़ी गई है, जो एक ही वर्ष में जोड़ी गई अब तक की सर्वाधिक क्षमता है, जिसने 2024-25 में स्थापित 34.05 गीगावाट के पिछले सर्वोच्च स्तर को भी पार कर लिया है। कुल विद्युत उत्पादन वित्त वर्ष 2014 में 1,020.2 बीयू से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 1,830 बीयू हो गया है। प्रति व्यक्ति खपत 2014 में 957 किलोवाट-घंटे से बढ़कर 2025 में 1,460 किलोवाट-घंटा हो गई है, जो आर्थिक विकास और बेहतर पहुँच को दर्शाती है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि हर घर, खेत और उद्योग के पास उसकी आवश्यकता के अनुसार विश्वसनीय विद्युत उपलब्धघ हो और भारत अब दुनिया में विद्युत का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता बन गया है। यद्यपि हम 520 गीगावाट से अधिक विद्युत उत्पानदित करने में सक्षम हैं, लेकिन किसी भी प्रणाली की असली परीक्षा अधिकतम मांग या पीक लोड को बिना किसी तरह के संचालनात्मक दबाव के संभाल सकने की उसकी क्षमता होती है। साल 2024 की गर्मियों में अधिकतम मांग रिकॉर्ड 250 गीगावाट तक पहुँच गई थी और वित्त वर्ष 2025-26 में यह 242.49 गीगावाट रही। इससे पहले मांग में इस तरह की वृद्धि से ग्रिड पर दबाव पड़ सकता था, लेकिन हमारे लोड डिस्पैच केंद्रों ने लगभग शून्य ऊर्जा हानि के साथ इसे सफलतापूर्वक प्रबंधित किया। यह मजबूती दुनिया के सबसे बड़े समकालिक ग्रिडों में से एक के कारण संभव हुई है, जिसमें 120 गीगावाट अंतर-क्षेत्रीय स्थानांतरण क्षमता है, जो देश को एक राष्ट्र-एक ग्रिड-एक फ्रीक्वेंसी में एकीकृत करती है।

प्रेरणादायक बात केवल यह नहीं है कि हम कितनी विद्युत का उत्पाषदन करते हैं, बल्कि यह भी है कि हम उसे कैसे उत्पानदित करते हैं। गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता का अंश तेजी से बढ़ा है, जिसकी बदौलत भारत 50 प्रतिशत संचयी गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित विद्युत क्षमता हासिल करने के अपने एनडीसी लक्ष्य को निर्धारित समय से लगभग पाँच वर्ष पहले ही हासिल करने में समर्थ हो सका है। यह स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और जलवायु के प्रति हमारी संकल्पिबद्धता को दर्शाता है। 2014 से, मिशन मोड योजनाओं के माध्यम से विद्युत क्षेत्र को नए रूप में ढाला गया है, जिन्होंने पहुँच का विस्तार करते हुए सतत परिवर्तन को भी गति दी है। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना ने भारत के हर गांव तक बिजली पहुँचायी, इसके बाद सौभाग्य योजना आई, जिसने लाखों घरों को बिजली से रोशन किया और ऊर्जा तक पहुँच को सभी के लिए वास्तविकता बना दिया। एक अन्य परिवर्तनकारी सुधार सितंबर 2025 में समान आईएसटीएस सबस्टेशनों पर सौर और गैर-सौर घंटों के लिए अलग-अलग कनेक्टिविटी की शुरुआत है। सौर परियोजनाओं को सौर घंटों के दौरान पहुँच मिलती है, जबकि भंडारण और पवन परियोजनाओं को गैर-सौर घंटों में पहुँच मिलती है।

पाक का काबूल पर कायराना हमला इंसानियत के लिये खतरा

सौरभ वार्ष्णेय

कहते है कि पवित्र रमजान का महीना आत्मसंयम, करुणा और इंसानियत की सेवा का संदेश देता है। ऐसे समय में काबुल पर हुआ कथित कायराना हमला न सिर्फ मानवीय मूल्यों का अपमान है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है। जब दुनिया शांति और सह-अस्तित्व की बात कर रही हो, तब इस तरह की हिंसक घटनाएं सभ्यता के मूल सिद्धांतों को चुनौती देती हैं।

रमजान का सार ही यह है कि इंसान अपने भीतर झांककर बुराइयों से दूर रहे और समाज में प्रेम, भाईचारे और सहयोग को बढ़ावा दे। लेकिन काबुल में हुआ हमला इस पवित्र भावना के ठीक विपरीत है। निर्दोष लोगों की जान लेना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह न केवल एक देश की संप्रभुता पर हमला है, बल्कि पूरी मानवता के खिलाफ अपराध है। यदि इस हमले में किसी भी देश या तत्व की संलिप्तता साबित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बिना किसी भेदभाव के सख्त कदम उठाने चाहिए। आतंक और हिंसा के प्रति चयनात्मक' रवैया ही ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देता है। जरूरत इस बात की है कि वैश्विक मंचों पर एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ ठोस और निष्पक्ष नीति अपनाई जाए। दक्षिण एशिया पहले से ही अस्थिरता और अविश्वास के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस तरह की घटनाएं क्षेत्रीय शांति को और कमजोर करती हैं। यह समझना होगा कि युद्ध और हिंसा का रास्ता किसी समस्या का समाधान नहीं है। बातचीत, कूटनीति और आपसी विश्वास ही स्थायी शांति का आधार बन सकते हैं।आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम रमजान जैसे पवित्र अवसर पर भी इंसानियत का सम्मान नहीं कर सकते? काबुल की यह घटना हमें चेतावनी देती है कि अगर समय रहते हिंसा के इस चक्र को नहीं रोका गया, तो इसके परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं। यह समय है जब दुनिया को एकजुट होकर यह संदेश देना चाहिए कि इंसानियत सर्वोपरि है। किसी भी प्रकार की हिंसा, चाहे वह किसी भी नाम पर हो, उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। रमजान के इस पावन महीने में शांति, सहिष्णुता और मानवता के मूल्यों को पुन: स्थापित करना ही सच्ची श्रद्धा होगी। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब तीन देश आमने सामने खुलेआम मिसाइलों से हमले कर रहे हैं ।

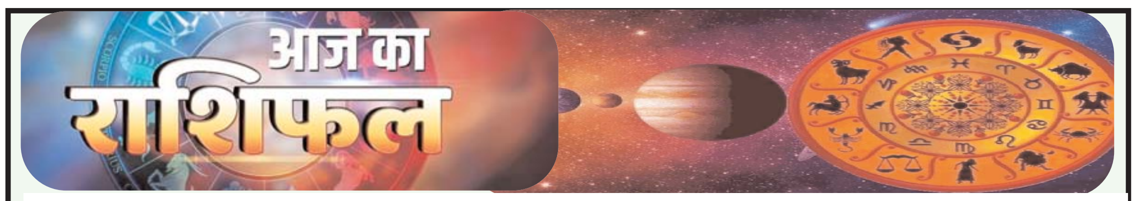

मेष राशि: कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। आज का दिन कुछ मिले-जुले प्रभाव वाला रहने वाला है। कुछ समय से चल रही किसी उलझन से आज राहत मिलेगी।

वृष राशि: आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से पॉजीटिव रिजल्ट मिलेगा। आज आप जीवन की वास्तविकता को समझेंगे। आज किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपना मनोबल बनाए रखेंगे।

मिथुन राशि: आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज का दिन पारिवारिक रख रखाव तथा सुधार संबंधी कार्यों में बीतेगा। सभी सदस्य आपस में बैठकर एक दूसरे से अपने विचार साझा करेंगे। किसी विशेष काम के प्रति किए गए प्रयासों के लिए उचित परिणाम मिलने के योग हैं।

कर्क राशि: आज करियर के मामले में खुशखबरी मिलेगी। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं उन्हे पुराने किये गये कार्यों में वाहवाही मिलेगी। सफलतायें छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी। आज अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना आपको शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बनाकर रखेगा।

सिंह राशि: आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात कर के समय बितायेंगे। आज आपके व्यवसाय में स्थिति पहले जैसी ही रहेगी। किसी बाहरी व्यक्ति की वजह से आज आपको अच्छा लाभ होगा। आज काम जल्दबाजी में न करके सोच विचार करेंगे तो आपका काम आसानी से होगा। मां शैलपुत्री का ध्यान करें, रुका हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा।

कन्या राशि: आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यों को पूरा करने में रहेगा। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। आज कुछ समय एकांत में बिताएंगे। आज आपको निर्णय लेने में किसी अनुभवी व्यक्ति की सहायता मिलेगी। आज कार्यों में आपको परिवारजनों का सहयोग मिलेगा। आज किसी प्रिय मित्र से भी मुलाकात होगी। महिलाओं को घर के कार्यो से राहत मिलेगी। देवी दुर्गा की उपासना करें, समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

तुला राशि: आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। पिता अपके बिजनेस में आपका सहयोग करेंगे। आज मन मुताबिक काम बनने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के युवाओं को आज रोजगार संबंधी अवसर मिलेंगे। फाइनेंस संबंधी गतिविधियों में किए गए प्रयासों के आज उचित परिणाम सामने आएंगे।

वृश्चिक राशि: आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। आज आपकी कार्यप्रणाली में सुधार आएगा। काम की प्रगति के कुछ महत्वपूर्ण अवसर मिल सकते हैं। आज सरकारी कार्यों में को पूरा करने में आपको किसी प्रभावशाली इंसान की भी मदद मिलेगी। आज ऑफिस में मन मुताबिक जिम्मेदारियां भी मिलेंगी। आज बच्चे किसी जरूरी काम में अपनी माता की मदद मागेंगे, जिससे उनके काम पूरे होंगे।

धनु राशि: आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे, आपकी तारीफ करेंगे। आज अनुभवी लोगों के सानिध्य में रहने का अवसर मिलेगा। कई सकारात्मक पहलुओं की जानकारी भी मिलेगी। आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिये आपका प्रयास सफल होगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम संपन्न होगा। बच्चे आज आपके साथ खेलने की जिद्द करेंगे।

मकर राशि: आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। आज आपकी दैनिक आय पहले से बेहतर होगी। अपने कॉन्टैक्ट मजबूत रखें। किसी भी नए काम को शुरू करने में जल्दबाजी न करें।

कुंभ राशि: आज का दिन शानदार रहने वाला है। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा। आज आपका रिश्तों के प्रति आदर-सम्मान करना आपसी रिश्ते को और अधिक मजबूत करेगा। आज बच्चों के समक्ष आप श्रेष्ठ अभिभावक साबित होंगे।

मीन राशि: आज का दिन खुशियां लेकर आया है। बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका विशेष योगदान रहेगा । मित्रों तथा रिश्तेदारों के साथ मेल-जोल बढ़ेगा।

(विचार-मंथन) सोने और चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव

- सनत जैन

जब से रूस-यूक्रेन, इजराइल और फिलिस्तीन के बीच में युद्ध शुरू हुआ है, उसके बाद से सारी दुनिया में सोने-चांदी और अन्य महत्वपूर्ण धातुओं के दामों में भारी उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। पहली बार दुनिया में अर्थव्यवस्था को लेकर, एक ऐसी अनिश्चय की स्थिति देखने को मिल रही है, जिसके कारण वैश्विक व्यापार में इसका बड़े पैमाने पर असर हो रहा है।

दूसरी बार डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने। उसके बाद से डॉलर मुद्रा को लेकर एक अलग तरह की चुनौती देखने को मिल रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनते ही सारी दुनिया के देशों पर टैरिफ लगाकर वैश्विक व्यापार को बड़ी चुनौती देने का काम किया। 1993 में लागू वैश्विक व्यापार संधि के बाद जिस तरह से दुनिया के देशों के बीच सुगमता से व्यापार हो रहा था। वैश्विक व्यापार संधि को लेकर दुनिया के देशों का विश्वास, वैश्विक लेन-देन पर बना था। डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ के जरिए सभी देशों को उसे चुनौती देने का काम किया। जिसके कारण वैश्विक व्यापार को लेकर कई चुनौतियां सारी दुनिया के देशों में बढ़ी। इजराइल-फिलिस्तीन तथा रूस और यूक्रेन का युद्ध लंबे समय तक चलने से सारी दुनिया के देशों में चुनौतियां बढ़ी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की दादागिरी, रूस की मुद्रा जप्त करने, रूस ईरान और अन्य देशों पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगा देने से दुनिया के देशों का अमेरिका के ऊपर विश्वास घटा है। हाल ही में इजराइल और अमेरिका द्वारा जिस तरह से ईरान को निशाने पर लिया गया, ईरान के अधिकांश नेताओं को घोषित रूप से मारा गया। ईरान में सत्ता पलटाने की कोशिश अमेरिका द्वारा की गई। इसका असर अब सारी दुनिया में

देखने को मिल रहा है।

पिछले 1 वर्ष में सोने और चांदी के कारोबार को लेकर बड़े पैमाने पर तेजी और गिरावट का दौर देखने को मिला है। पहली बार अमेरिकी डॉलर को वैश्विक स्तर पर चुनौती मिली है। ब्रिक्स के देशों ने आपसी व्यापार के लिए अन्य मुद्राओं में व्यापार करने तथा डॉलर की अहमियत को कम करने का कोई मौका नहीं छोड़ा है। वैश्विक मुद्रा में सोने का महत्वपूर्ण आधार हमेशा से रहा है। 2008 के बाद जब विश्व बैंक ने सभी फेडरल बैंकों को सोने का स्टॉक बढ़ाने का सुझाव दिया था। उसके बाद से दुनिया के सभी देशों ने सोने का भंडारण बड़ी मात्रा में शुरू कर दिया था। जिसके कारण 2008 के बाद से लगातार विश्व स्तर पर सोने के दाम बढ़ते रहे। अभी भी सोना मुद्रा के रूप में सबसे ज्यादा स्वीकार वैश्विक मुद्रा है। भारत में पिछले 1 साल में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की न्यूनतम कीमत 68000 थी। 1 अप्रैल 2025 में सोने की कीमत 91190 तथा 20 मार्च 2026 को 155000 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है।

इसी तरह 1 अप्रैल 2025 को चांदी की कीमत 103900 प्रति किलो थी। जो 20 मार्च 2026 को 2.31 लाख प्रति किलो पर पहुंच गई। पिछले 1 साल में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार वृद्धि और गिरावट का यह दौर देखने को मिल रहा है। वर्तमान में जब सारी दुनिया के देशों में अमेरिका-इजराइल और ईरान के युद्ध कारण आग लगी हुई है। ऐसे समय में सोने और चांदी की कीमतों में हाल ही में गिरावट देखने को मिल रही है। जिसको लेकर अनिश्चय की स्थिति देखने को मिल रही है। सारी दुनिया के शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले 20 दिनों में शेयर बाजार में लगभग 26 फ़ीसदी की गिरावट देखने को मिली है। भारत सहित अमेरिका, जापान, हांगकांग, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, फ्रांस तथा ब्रिटेन के शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। इसमें सबसे बड़ी गिरावट भारत, जापान और जर्मनी के शेयर बाजारों में देखने को मिल रही है। कच्चे तेल और गैस के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। शेयर बाजार की गिरावट और वित्तीय अस्थिरता का असर बैंकों और वित्तीय संस्थानों में भी स्पष्ट रूप से पड़ रहा है। 2008 में जो अमेरिका की आर्थिक स्थिति थी, वही स्थिति अब दुनियाभर के देशों में बनती हुई दिख रही है। जिसके कारण बैंकों और वित्तीय संस्थानों के दिवालिया होने का खतरा भी बढ़ने लगा है। इसी बीच सोने और चांदी की कीमत जो हमेशा युद्ध के समय पर तेज होती हैं, उनमें भी गिरावट का दौर देखने को मिल रहा है।

जिसके कारण लोगों में घबराहट है। पिछले एक वर्ष में सोने और चांदी के दाम बड़ी तेजी के साथ घटे और बढ़े थे। शेयर बाजार और बैंकों से पैसा निकालकर लोग सोने चांदी में निवेश करके मुनाफा वसूली कर रहे हैं। जिसके कारण सोने चांदी के दामों में शेयर बाजार की तरह ही उतार-चड़ाव देखने को मिल रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है जिस तरह की स्थिति वर्तमान में बनी हुई है, उसमें सोना-चांदी एवं कीमती धातुएं, मुद्रा के रूप में वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य होंगी। युद्ध के इस दौर में जब बड़ी-बड़ी महाशक्तियां इसमें शामिल हैं, इसको देखते हुए मुद्रा के रूप में सोने और चांदी की कीमतें जैसे ही युद्ध की स्थिति में स्थिरता आएगी। उसमें सबसे ज्यादा कीमत सोना की होगी। सोना को हमेशा से मुद्रा के रूप में सारी दुनिया स्वीकार करती रही है। आगे भी करती रहेगी। सोना ही सबसे विश्वसनीय मुद्रा सारी दुनिया में मानी जाती है। सोने और चांदी के दामों में गिरावट मुनाफा वसूली के कारण है। इनके दाम भविष्य में भी बढ़ते रहेंगे, ऐसा आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है।

ममता बनर्जी ने राज्य में दो चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले टीएमसी का घोषणापत्र जारी किया

कोलकाता (ए.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को राज्य में दो चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का घोषणापत्र जारी किया। लगातार चौथी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही बनर्जी ने कहा कि घोषणापत्र में उनके 10 प्रतिज्ञाएं शामिल हैं, जिन्हें आगामी चुनावों के बाद उनकी पार्टी के सत्ता में लौटने पर पूरा किया जाएगा। कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि उनकी 10 प्रतिज्ञाएं राज्य के और विकास में सहायक होंगी। उन्होंने केंद्र में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार पर अपनी सरकार के खिलाफ षड्यंत्र रचने का आरोप लगाते हुए हमला जारी रखा। बनर्जी ने कहा कि हम चुनावों के दौरान कई षड्यंत्र देखते हैं, लेकिन इस बार तो उन्होंने सारी हदें पार कर दी हैं पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में चुनाव होंगे और मतगणना 4 मई को होगी। तृणमूल कांग्रेस के घोषणापत्र का मुख्य आधार दीदी के 10 वादे हैं, जिनमें कल्याण और विकास के वादे शामिल हैं। पार्टी ने लक्ष्मी भंडार योजना के तहत सहायता राशि में 500 रुपये की वृद्धि करने का वादा किया है, जिससे सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए मासिक सहायता राशि 1,500 रुपये और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति लाभार्थियों के लिए 1,700 रुपये हो जाएगी। पार्टी बेरोजगार युवाओं को बांग्लार युवा-साथी योजना के तहत 1,500 रुपये का मासिक भत्ता देना जारी रखेगी और भूमिहीन किसानों सहित किसानों को सहायता देने के लिए 30,000 करोड़ रुपये का कृषि बजट पेश करेगी। घोषणापत्र में प्रत्येक परिवार के लिए पक्के मकान और सभी घरों में पाइप से पीने का पानी पहुंचाने का वादा किया गया है, साथ ही घर-घर जाकर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए वार्षिक दुआरे चिकित्सा शिविर आयोजित करने का भी प्रावधान है। घोषणापत्र में आगे यह भी वादा किया गया है कि सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे का उन्नयन किया जाएगा, जबकि बंगाल को आधुनिक व्यवस्था और वैश्विक व्यापार केंद्र के साथ पूर्वी भारत के व्यापार केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

हरियाणा क्रॉस वोटिंग मामला : कांग्रेस के 5वें विधायक का नाम आया सामने, पार्टी ने भेजा नोटिस; 4 से पहले जवाब मांगा जा चुका

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने के मामले में कांग्रेस के 5वें विधायक का नाम सामने आ गया है। ये फतेहाबाद की रतिया सीट से विधायक जरनैल सिंह हैं। कांग्रेस अनुशासन समिति ने शुक्रवार को उन्हें नोटिस जारी कर 7 दिन में जवाब मांगा है। अनुशासन समिति के सदस्य सचिव एडवोकेट रोहित जैन ने इसकी पुष्टि की। समिति के चेयरमैन धर्मपाल मलिक की ओर से इससे पहले चार विधायकों को नोटिस जारी किया जा चुका है। 5वें नाम पर सस्पेंस बना हुआ था। पार्टी के संज्ञान में आया है कि राज्यसभा चुनाव में आपने पार्टी की ओर से जारी निर्देशों का पालन नहीं किया। जिसका नतीजा यह निकला कि आपकी वोट पार्टी हित में नहीं गई। इससे ऐसा लगता है कि पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को हराने के लिए जानबूझकर ऐसा किया गया। ये पार्टी के संविधान, रूल और नॉर्म्स का उल्लंघन है। इसलिए आप 7 दिन के भीतर स्पष्ट करें कि क्यों ना आपके खिलाफ अनुशासनात्क कार्रवाई की जाए। यदि आपकी तरफ से दिए गए समय में कोई जवाब नहीं आता है तो आपको एक्स पार्टी मानते हुए पार्टी नियमों के अनुसार कार्रवाई करेगी।

दिल्ली-एनसीआर : बरसात का दौरा जारी, तापमान में आई गिरावट, एक्यूआई भी ग्रीन और येलो जोन में पहुंचा

नोएडा (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली एनसीआर में मौसम ने बीते दो दिनों की तरह आज भी अपना रुख बरकरार रखा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार क्षेत्र में बादल छाए रहेंगे और दिनभर हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं कभी-कभी 50 किमी प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती हैं, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार आज अधिकतम तापमान करीब 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और कई इलाकों में हल्की बारिश देखने को मिली। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक सुबह, दोपहर, शाम और रात—चारों समय में अलग-अलग चरणों में बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। वहीं वायु गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण आंकड़ों के अनुसार एनसीआर के अधिकांश इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) अब ग्रीन और येलो जोन में पहुंच गया है।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई 50 हजार रिश्वत लेते दो आरोपी रंगे हाथ गिरफ्तार

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) गुरुग्राम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुरुवार को की गयी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तरुण कुमार (संचालक, कॉमन सर्विस सेंटर, जिला नूंह) और गिराज (निवासी वार्ड नंबर 4, पुन्हाना) के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ एसीबी थाना गुरुग्राम में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7, 7ए तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने एसीबी को दी शिकायत में बताया कि उसके पति की मृत्यु के बाद उसने दीन दयाल परिवार सुरक्षा योजना के तहत पांच लाख रुपये की सहायता राशि के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि आरोपियों ने राशि जारी करवाने के बदले पहले एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी, जिसे बाद में 50 हजार रुपये पर तय किया गया।

हिमाचल की कांग्रेस विधायक ने अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध के कारण एलपीजी सिलेंडरों की कमी पर मांगा स्पष्टीकरण

शिमला, (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस विधायक अनुराधा राणा ने गुरुवार को राज्य में एलपीजी सिलेंडरों की कमी और व्यावसायिक सिलेंडरों की सीमित उपलब्धता पर में गंभीर चिंता व्यक्त की और इस मुद्दे को अमेरिका-इजरायल-ईरान के बीच चल रहे तनाव से उत्पन्न वैश्विक अनिश्चितताओं से जोड़ा। शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए सुश्री राणा ने कहा कि राज्य भर में, विशेष रूप से लाहौल-स्पीति जैसे दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में, एलपीजी आपूर्ति पर स्पष्टता की कमी के कारण लोग भ्रम और चिंता का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक कमी की आशंका के बीच परिवार सिलेंडर बुक कराने के लिए दौड़ रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार की ओर से इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है कि यह स्थिति कब तक बनी रहेगी।

उन्होंने ज़ोर दिया कि यह समस्या केवल घरेलू उपभोक्ताओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि व्यवसायों को भी प्रभावित कर रही है। कई आतिथ्य इकाइयाँ, विशेष रूप से पर्यटन पर निर्भर क्षेत्रों में, व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की अनुपलब्धता के कारण मुश्किलों का सामना कर रही हैं। सुश्री राणा ने आगे बताया कि किसान उर्वरकों और ईंधन की आपूर्ति को लेकर चिंतित हैं, जिससे स्थिति जारी रहने पर कृषि गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष पर सीधे टिप्पणी करने से बचते हुए, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर महसूस किया जा रहा है। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार दोनों से जनता की परेशानी कम करने के लिए समय पर निर्णय लेने और उपाय लागू करने का आग्रह किया।

मेरे लिए केरलम घर है और केरलम के लोग परिवार हैं : राहुल गांधी

कोलकाता (ए.)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि यह गठबंधन जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तैयार है। X पर एक पोस्ट में गांधी ने लिखा कि टीम यूडीएफ ही टीम केरलम है। प्रत्येक उम्मीदवार केरलम के लोगों की आवाज, आकांक्षाओं और विश्वास का प्रतिनिधित्व करता है। यह अनुभवी नेताओं और युवा परिवर्तनकर्ताओं का एक समूह है - ऐसे मजबूत पुरुष और महिलाओं की टीम जो अपने प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों की बारीकियों को समझते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि मेरे लिए केरलम घर है और केरलम के लोग परिवार हैं। मैं लोगों का बहुत आभारी हूं, उन्होंने मुझे जो कुछ भी सिखाया है और जिस प्यार और स्नेह से मुझे अपनाया है, उसके लिए - मैं हमेशा आपका साथी रहूंगा। उन्होंने आगे कहा कि केरल से संदेश स्पष्ट है - लोग बदलाव के लिए तैयार हैं, वे ऐसी सरकार चाहते हैं जो उनकी बात सुने, समझे और ईमानदारी से काम करे। आने वाली यूडीएफ सरकार के साथ मिलकर, मैं इस खूबसूरत राज्य के बेहतर भविष्य के निर्माण में हर संभव प्रयास करूंगा। केरल की जीत होगी। यूडीएफ नेतृत्व करेगा। ये बयान कांग्रेस पार्टी द्वारा केरल विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पूरी करने के एक दिन बाद आया है। विपक्ष के नेता वीडी सतीशान ने कहा कि पार्टी ने उन सभी 95 सीटों के लिए उम्मीदवारों को अंतिम रूप दे दिया है जिन पर वह चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा कि हमने केरल विधानसभा चुनाव के लिए सभी 95 उम्मीदवारों का चयन कर लिया है... हमने परसों 55 सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा की थी और अब शेष 40 सीटों के उम्मीदवारों का चयन कर लिया है। उम्मीदवारों का चयन पूरा हो चुका है, अब हम चुनाव प्रचार में जुटेंगे।

एप्पल की नकली मोबाइल एक्सेसरीज बेचने वाले रैकेट का भंडाफोड़, लाखों का सामान जब्त

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई पुलिस ने नकली ब्रांडेड सामान के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए घाटकोपर इलाके में एक संगठित मोबाइल एक्सेसरीज रैकेट का भंडाफोड़ किया है। मुंबई पुलिस के पंतनगर पुलिस स्टेशन की टीम ने छापेमारी कर एप्पल ब्रांड के नाम पर बेचे जा रहे करीब 16.33 लाख रुपए के नकली सामान को जब्त किया। इस मामले में 6 दुकानदारों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। जानकारी मिली थी कि घाटकोपर पूर्व के पटेल चौक और निलयोग मॉल इलाके की कुछ दुकानों में एप्पल इंक के नाम पर फर्जी मोबाइल एक्सेसरीज बेची जा रही हैं। पुलिस ने एक खास रणनीति बनाई और टीम को 6 अलग-अलग ग्रुप में बांटकर एक साथ छापेमारी की। छापेमारी के दौरान 6 दुकानों पर कार्रवाई की गई, जहां से नकली सामान बरामद हुआ। जब्त किए गए सामान में मोबाइल चार्जर, एडॉप्टर, यूएसबी केबल, मोबाइल कवर, बैक पैनल, ईयरफोन, एयरपॉड्स और बैटरियां शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि ये सभी उत्पाद एप्पल ब्रांड की हूबहू नकल कर बनाए गए थे और ग्राहकों को असली बताकर बेचे जा रहे थे। इस कार्रवाई में एप्पल कंपनी की टीम भी शामिल रही। कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधियों ने मौके पर ही जांच कर पुष्टि की कि बरामद किया गया पूरा सामान नकली है। इसके लिए विशेष प्रशिक्षण और तकनीकी पहचान का सहारा लिया गया।

एलपीजी संकट के बीच सरकार ने लागू किया ईसीएस, तेल और गैस कंपनियों को साझा करना पड़ेगा सारा डाटा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और तेल-गैस के वैश्विक संकट के बीच सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर दिया है। इस कानून के तहत अब पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस से जुड़े उत्पादन, प्रसंस्करण, शोधन, भंडारण, आयात-निर्यात, मार्केटिंग और उपभोग से संबंधित सभी कंपनियों को सरकार के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) को ताज़ा डेटा देना अनिवार्य होगा।

पीपीएसी, पेट्रोलियम मंत्रालय का डेटा संग्रहण विभाग है। मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा के अनुसार, आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 के तहत जारी राजपत्र अधिसूचना में पीपीएसी को सूचना एकत्र करने, संकलित करने, संरक्षित रखने और विश्लेषण करने वाली एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। इससे आपात स्थिति में तेल मंत्रालय को प्रभावी योजना बनाने में मदद मिलेगी। धारा 3 के तहत जारी किसी भी आदेश का उल्लंघन अपराध माना जाएगा, जिसके लिए जेल की सजा का प्रावधान है।

आवश्यक वस्तु अधिनियम का उद्देश्य नागरिकों को उचित कीमतों पर जरूरी वस्तुएं उपलब्ध कराना है। यह कानून जमाखोरी, कालाबाजारी और कृत्रिम कमी को रोकने में भी मदद करता है, जिससे देश में खाद्य और आपूर्ति सुरक्षा बनी रहती है।

धारा 3 के अंतर्गत केंद्र सरकार उत्पादन, आपूर्ति और वितरण को नियंत्रित कर सकती है। इसके तहत स्टॉक सीमा तय करने, व्यापार को विनियमित करने, कीमतें निर्धारित करने और जमाखोरी पर रोक लगाने का अधिकार है। वहीं, धारा 5 के तहत केंद्र सरकार इन शक्तियों को राज्य सरकारों को सौंप सकती है, ताकि कानून का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

हरियाणा के लिए 1122 करोड़ रुपये की कृषि कार्य योजना को मंजूरी

चंडीगढ़(आरएनएस)। हरियाणा में कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु लगभग 1122 करोड़ रुपये की वार्षिक कार्य योजना को मंजूरी दी गयी है। यह स्वीकृति प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) के तहत राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति की बैठक में दी गयी।

बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने की, जिसमें कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में चल रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया। मुख्य सचिव ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, समय पर फंड के उपयोग और विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया, ताकि किसानों को योजनाओं का लाभ सीधे मिल सके। उन्होंने मशीनीकरण, फसल विविधीकरण और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता भी बतायी। बैठक में पीएम-आरकेवीवाई, कृषोन्नति योजना और प्राकृतिक कृषि मिशन के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की गई। वर्ष 2025-26 के दौरान केंद्र सरकार द्वारा जारी 318.17 करोड़ रुपये में से 240.46 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, जो 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग दर को दर्शाता है। सरकार का लक्ष्य है कि इन योजनाओं के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कृषि को अधिक आधुनिक और टिकाऊ बनाया जाये।

ईद-उल-फितर से पहले उत्तम नगर और दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाई गई

नई दिल्ली (ए.)। संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद, ईद-उल-फितर से पहले उत्तम नगर और दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। होली के उत्सव के दौरान 4 मार्च को दो समुदायों के बीच हुई झड़पों में 26 वर्षीय युवक की मौत के बाद उत्तम नगर में तनाव गहराता जा रहा है। इसी के चलते दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को दिल्ली पुलिस को इस मामले में नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। तनाव को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने उत्तम नगर और आसपास के द्वारका जिले में सुरक्षा बढ़ा दी है। उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि विस्तृत तैनाती योजना तैयार कर ली गई है। अधिकारी ने कहा कि कर्मी किसी भी स्थिति में तुरंत कार्रवाई करने के लिए तैयार हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त (पश्चिमी रेंज) जतिन नरवाल ने कहा कि सांप्रदायिक तनाव और कानून व्यवस्था के उल्लंघन से बचने के लिए हस्तसाल गांव और उसके आसपास पुलिस बल तैनात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस और सशस्त्र अर्धसैनिक बलों के सुरक्षाकर्मी पर्याप्त संख्या में तैनात रहेंगे। हमारा मुख्य ध्यान मस्जिदों, ईदगाहों और ईद के दौरान मुसलमानों द्वारा देखे जाने वाले धार्मिक स्थलों पर रहेगा। होली के दिन चार मार्च को जेजे कॉलोनी में दो पड़ोसी परिवारों के बीच हुई झड़प में घायल होने के बाद तरुण (26) की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह झगड़ा उस वक्त शुरू हुआ जब एक परिवार की लड़की द्वारा फेंका गया पानी का गुब्बारा गलती से दूसरे परिवार की एक महिला को लग गया। इस घटना के बाद कुछ समूहों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिस दौरान आरोपियों की दो गाड़ियों में आग लगा दी गई। पुलिस ने मामले में अब तक दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है और 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मस्जिदों, ईदगाहों और अन्य सार्वजनिक स्थलों, जहां बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने की संभावना है, के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वाहनों की जांच सहित नियमित रूप से गश्त की जा रही है। पुलिस ने बताया कि भड़काऊ सामग्री के प्रसार को रोकने और उस पर अंकुश लगाने के लिए सोशल मीडिया की निगरानी भी तेज कर दी गई है तथा कई आपत्तिजनक पोस्ट का पता लगा कर कार्रवाई की गई है। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। जागरूकता अभियान के तहत, कई इलाकों में फ्लैग मार्च किए गए हैं और ईद के दौरान भी निवासियों में विश्वास जगाने के लिए मार्च जारी रहेंगे। उत्तम नगर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला ने कहा कि सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी से कुछ हद तक स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है। उन्होंने कहा, ''काफी संख्या में अवरोधक लगाये गए हैं और आवाजाही कम हो गई है।

राज्यसभा चुनाव के बाद हरियाणा में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 23 आईएएस अधिकारियों के तबादले

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा सरकार ने राज्य सभा चुनाव के महज दो दिन बाद बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 23 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के तबादले और विभागों में बदलाव किये हैं। जारी आदेशों के अनुसार कई वरिष्ठ अधिकारियों के विभाग बदले गए हैं, जबकि कुछ को अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी गयी हैं। यह आदेश राज्यपाल की मंजूरी के बाद तत्काल प्रभाव से लागू कर दिये गये हैं।

इस फेरबदल में डॉ राजा शेखर गुंडरू को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग से हटाकर मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया गया है, जबकि परिवहन विभाग उनके पास यथावत रहेगा। जी. अनुपमा को नागरिक उड्डयन विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया गया है। अपूर्व कुमार सिंह को टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से हटाकर उच्च शिक्षा और लोक निर्माण एवं वास्तुकला विभाग की जिम्मेदारी दी गयी है। अनुराग अग्रवाल को नगर एवं देशी नियोजन तथा शहरी संपदा विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया गया है। विजयेन्द्र कुमार को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग सौंपा गया है, जबकि पंकज अग्रवाल को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। साकेत कुमार को सहकारिता विभाग का आयुक्त एवं सचिव बनाया गया है। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव का पद उनके पास पहले की तरह बरकरार रहेगा, जिससे उनकी भूमिका और मजबूत मानी जा रही है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने, दिल्ली के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री पंकज कुमार सिंह और भाजपा विधायक तरविंदर सिंह मारवाह के साथ मिलकर, इंद्रप्रस्थ बस डिपो से 300 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई और उन्हें जनता को समर्पित किया।

फारुक अब्दुल्ला ने पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करने का आग्रह किया

श्रीनगर (ए.)। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करने का आग्रह किया, शांति और लोगों के कल्याण के लिए प्रार्थना की और कहा कि इस संघर्ष के वैश्विक परिणाम हैं। श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए जेकेएनसी प्रमुख ने कहा कि अल्लाह इस युद्ध को समाप्त करे, शांति लाए और लोगों को आराम से जीने दे... इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इसलिए, युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त किया जाना चाहिए। ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष 21वें दिन में प्रवेश कर चुका है। यह संघर्ष 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले के बाद शुरू हुआ, जिसमें ईरान के 86 वर्षीय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की भी हत्या कर दी गई थी। उनकी मृत्यु के बाद, पूर्व नेता के पुत्र मोजतबा खामेनेई को इस्लामी गणराज्य का नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया। खबरों के अनुसार, ईरान रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर दबाव बना रहा है, जिसके परिणामस्वरूप तेल, गैस और समुद्री व्यापार मार्गों में व्यवधान वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए एक बढ़ता खतरा बना हुआ है। सुबह विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में चल रही स्थिति पर चर्चा करने के लिए पांच विश्व नेताओं से बात की, संवाद और कूटनीति की आवश्यकता पर जोर दिया और ऊर्जा अवसंरचना पर हमलों की निंदा की। अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बातचीत की।

रश्मिका ने जाहिर की अवॉर्ड मिलने की खुशी, खूबसूरत तस्वीरें साझा कर सुनाया बचपन का किस्सा

2026 एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के जीवन का एक महात्वपूर्ण साल रहा। इस साल फरवरी में उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड विजय देवराकोंडा से शादी की। आगे उनके कई बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स भी लाइन अप हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए अपने राज्य स्तर पर सम्मान पाने की खुशी जाहिर की।

साझा किया बचपन का किस्सा

19 मार्च 2026 की रात तेलंगाना गद्दर फिल्म अवॉर्ड्स 2025 के शानदार आयोजन में रश्मिका मंदाना भी पहुंची थी। वहां उन्हें 'द गर्लफ्रेंड'के लिए इस स्टेट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। अपनी इस खुशी को रश्मिका ने सोशल मीडिया पोस्ट को जरिए शेयर किया। उन्होंने लिखा, ' जब मैं छोटी बच्ची थी और कोई राज्य स्तर पर विजेता बनता था, तो मुझे वो सुपरस्टार की तरह दिखता था।

मैं सोचती थी कि उन्होंने ये सब कुछ कैसे अचीव किया वे दिन भर क्या करते हैं, वगैरह। और कल शाम राज्य पुरस्कार जीतना मेरे सपनों के पूरे होने जितना खास था। मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां कर सकती हूं, लेकिन मुझे ऐसा लग रहा है कि मैंने बहुत लंबा सफर तय किया है। मुझे इसके लिए खुशी है।

द केरला स्टोरी 2 : दर्शक फिर सिनेमा के जादू को पहचान रहे हैं : कामाख्या नारायण सिंह

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड फिल्म डायरेक्टर कामाख्या नारायण सिंह का कहना है कि दर्शक एक बार फिर सिनेमा के जादू को पहचान रहे हैं। हाल ही रीलिज अपनी फिल्म द केरला स्टोरी 2 गोज़ बियॉन्ड की कामयाबी पर बात करते हुए कहा कि फिल्म ने 200 प्रतिशत रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट (आरओआई) दिया है और बॉक्स ऑफिस के कई बड़े आंकड़े पार कर लिए हैं।

कामाख्या नारायण सिंह इस फिल्म के 200 प्रतिशत मुनाफे और शानदार सफलता का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपुल अमृतलाल शाह की पहचान हमेशा से ऐसी फिल्में बनाने की रही है जो बेहतरीन कहानी के साथ-साथ लोगों को सोचने और चर्चा करने पर मजबूर कर देती हैं। इसी सोच को आगे ब?ते हुए, उन्होंने हाल ही में अपने बैनर सनशाइन पिक्चर्स के तले द केरला स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड रिलीज की है, जो पहले पार्ट की कहानी को और भी गहराई और विस्तार के साथ आगे ले जाती है। नेशनल अवॉर्ड विनर डायरेक्टर कामाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक बेहद रोमांचक और कई परतों वाली कहानी पर

आधारित है, जो भारत के कानूनी सिस्टम में दर्ज सच्ची घटनाओं से प्रेरित है।

थिएटर में रिलीज होते ही फिल्म ने दर्शकों के दिलों को छू लिया और बड़े पर्दे पर इस दमदार और सोचने पर मजबूर कर देने वाली कहानी को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। क्रिटिक्स और दर्शकों, दोनों ने फिल्म की जमकर तारीफ की है और इसके गहरे नैरेटिव और शानदार प्रेजेंटेशन को सराहा है। लोगों की इसी जबरदस्त तारीफ की वजह से फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और एक ब?ी कामयाबी बनकर उभरी। फिल्म के सफर पर बात करते हुए कामाख्या नारायण सिंह ने बताया कि द केरला स्टोरी 2 ने निवेश पर पूरे 200 प्रतिशत का शानदार मुनाफा (रिटर्न) दिया है। उन्होंने दर्शकों के प्रति अपना आभार जताते हुए उनके भरोसे और अटूट साथ की तारीफ की।

उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब दर्शक सिनेमा के जादू को फिर से पहचान रहे हैं, द केरला स्टोरी 2 की कामयाबी वाकई बहुत खास है। 200 प्रतिशत का रिटर्न देना और बॉक्स ऑफिस के बड़े आंकड़ों को पार करना यह साबित करता है कि एक दमदार कहानी में कितनी ताकत होती है। बॉर्डर 2 के बाद इस फिल्म का साल की दूसरी सबसे ब?ी हिट बनकर उभरना, इस सफर को और भी यादगार बनाता है।

अक्षय कुमार ने की 'मुंबई क्लीन लीग' शुरू करने की घोषणा

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने मायानगरी मुंबई को साफ और स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से एक नई पहल शुरू करने की घोषणा की है। अक्षय कुमार ने 'मुंबई क्लीन लीग' नामक एक विशेष अभियान की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और उन्हें इस मुहिम से जोड़ना है।

अक्षय कुमार ने बताया कि इस लीग का विचार उन्हें खेल जगत की लोकप्रिय प्रतियोगिता इंडियन प्रीमियर लीग को देखकर आया। उन्होंने कहा कि इस लीग में खेल और मनोरंजन से जुड़े तत्वों को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ जोड़ा जाएगा, ताकि लोग स्वच्छता के अभियान में उत्साह के साथ भाग लें। उनके अनुसार, यदि स्वच्छता को प्रतियोगिता और मनोरंजन के रूप में प्रस्तुत किया जाए तो अधिक से अधिक लोग इसमें रुचि दिखाएंगे। अक्षय कुमार ने बताया कि उन्होंने इस विचार को सबसे पहले अमित साटम के साथ साझा किया था। उन्होंने कहा कि मुंबई में अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोग रहते हैं और हर कोई यहां बेहतर जीवन जीने का सपना लेकर आता है। हालांकि शहर में जगह की कमी है और जनसंख्या बहुत अधिक है, फिर भी यहां के लोगों में ऊर्जा और उत्साह की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है और यहां रहने वाला हर व्यक्ति साफ-सुथरे और प्रदूषण मुक्त वातावरण में जीवन बिताना चाहता है। अभिनेता ने अपने स्कूल के दिनों का उदाहरण देते हुए इस लीग के विचार को समझाया।

हम सब सनातनी ही हैं, तो सत्य लिखने में क्या घबराहट है लिख दीजिए

-सारा अली को केदारनाथ मंदिर में दर्शन करने के मामले में कूदीं रंगना रनौत

मुंबई,(ए.)। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान को केदारनाथ मंदिर में दर्शन करने के लिए सनातन के प्रति आस्था वाला हलफनामा देना होगा। अब इस नए नियम को लेकर लोकसभा सांसद कंगना रनौत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि सभी सनातनी हैं और इसे लिखकर देने में परेशानी क्या है। मंदिर समिति के बोर्ड की 10 मार्च को हुई बैठक में बदरीनाथ और केदारनाथ मंदिर परिसरों और गर्भगृहों में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को कंगना रनौत ने कहा कि यहां जो भी हैं सभी सनातनी हैं। क्योंकि जब हमारा जन्म हुआ, सनातन मतलब जिसका न आदि है न अंत। सारे धर्म हजार पंद्रह सौ साल पुराने हैं। सनातन ही है, जो सत्य है। वह भी सनातनी ही हैं, तो सत्य लिखने में क्या घबराहट है लिख दीजिए। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष ने मंगलवार को कहा कि फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान या अन्य कोई गैर हिंदू अगर सनातन के प्रति अपनी आस्था के बारे में हलफनामा देता है तो उसे मंदिरों में दर्शन करने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिनकी सनातन धर्म के प्रति आस्था होगी और जो लिखेगा कि मैं सनातनी हूं, मैं हिंदुत्व को मानता हूं, उन सबका स्वागत है। केदारनाथ फिल्म की अभिनेत्री के बारे में पूछे जाने पर मंदिर समिति के अध्यक्ष ने कहा कि सारा अली खान अगर कहेंगी कि उनकी सनातन के प्रति आस्था है, भाव है और वह हलफनामा देंगी तो उन्हें दर्शन करने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि हलफनामे के लिए मंदिर समिति ने प्रारूप तैयार किया है। यह प्रस्ताव राज्य सरकार को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि अगले माह से शुरू हो रही चारधाम यात्रा की तैयारियां जोरों से जारी हैं और केवल 10 दिनों में 16 मार्च तक छह लाख से अधिक श्रद्धालु चारों धामों के लिए अपना पंजीकरण करवा चुके हैं।

'सपना सच होने जैसा', 'द इंडिया हाउस' का हिस्सा बनने पर सई मांजरेकर ने जताई खुशी; राम चरण को लेकर कही ये बात

अभिनेत्री सई मांजरेकर अपनी पैन इंडिया फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी काफी उत्साहित हैं। 1905 में प्रेम और क्रांति की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में सई सती की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर सई का कहना है कि एक हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है, जो इस फिल्म के साथ पूरा हो रहा है।

ऐतिहासिक फिल्म में काम करना मेरा सपना था

टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ बातचीत में एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर कहा कि किसी ऐतिहासिक फिल्म में अभिनय करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। जब मुझे पता चला कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं, तभी से मैं एक ऐतिहासिक फिल्म में काम करना चाहती थी। इसलिए यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। %द इंडिया हाउस% का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अद्भुत अनुभव है। जब मैंने पहली बार इसकी कहानी सुनी, तो मुझे पता चल गया कि यह सिर्फ एक और फिल्म नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी है जिसमें भावनाएं, इतिहास और उद्देश्य समाहित हैं।

उस दौर के बारे में जानना काफी अच्छा रहा

अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मेरा किरदार सती का है, और यह एक खूबसूरत भूमिका है। वह दृढ़ इच्छाशक्ति वाली होने के साथ-साथ कोमल और दयालु भी हैं। अपने भीतर इस संतुलन को खोजना एक

बेहद यादगार अनुभव रहा।

मुझे याद है कि एक सीन के बीच में मैं अक्सर 'प्लीज' या 'धन्यवाद' जैसे शब्द बोल देती थी, जो हम अन्य जॉनर में आसानी से इस्तेमाल करते हैं। फिर मैं माफी मांगती और सीन दोबारा करती। उस दौर के बारे में जानना और लोगों के रहन-सहन, पहनावे और बोलने के तरीके को समझना एक दिलचस्प अनुभव रहा है। इतने समृद्ध इतिहास से घिरे हम्पी में शूटिंग करने से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।

भाग्यशाली हूं इन स्टार्स के साथ काम करने का मौका मिला

फिल्म की टीम के साथ काम करने के अनुभव को लेकर सई ने कहा कि राम चरण के पहले प्रोडक्शन में काम करना मेरे लिए सचमुच अनमोल है। वो साउथ इंडस्ट्री के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं। सिनेमा और इसमें शामिल हर व्यक्ति के प्रति उनका सम्मान इस फिल्म के हर पहलू में झलकता है।

निखिल सिद्धार्थ और अनुपम खेर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अनुभव रहा है। इतने प्रतिभाशाली अभिनेताओं के साथ सेट पर रहना आपको हर दिन अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मैं एक ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं जो प्यार, क्रांति और भारत की भावना का जश्न मनाती है।

श्रीदेवी के जमीन विवाद में कोर्ट की कार्यवाही स्थगित

मुंबई (ए.)। हाल ही में मद्रास हाई कोर्ट ने दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद में अहम अंतरिम आदेश जारी किया है। मद्रास हाईकोर्ट ने चेंगलपट्टू सिविल कोर्ट में इस मामले से जुड़ी कार्यवाही पर फिलहाल रोक लगा दी है। अदालत के इस आदेश के बाद चेंगलपट्टू कोर्ट में मामले की आगे की सुनवाई या कोई नया कदम नहीं उठाया जा सकेगा। हाई कोर्ट ने इस मामले की अंतिम सुनवाई के लिए 26 मार्च की तारीख निर्धारित की है। जानकारी के अनुसार, श्रीदेवी ने वर्ष 1988 में चेन्नई के ईस्ट कोस्ट रोड स्थित संबंदा मुदलियार परिवार से लगभग 4.77 एकड़ जमीन खरीदी थी। यह संपत्ति पिछले करीब 37 वर्षों से उनके परिवार के कब्जे में बताई जाती है। हाल ही में इस जमीन पर स्वामित्व को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया, जब नटराजन और शिवगामी नामक दो लोगों ने स्वयं को चंद्रशेखरन मुदलियार की दूसरी पत्नी की संतान बताते हुए इस संपत्ति पर अपना अधिकार जताया।

दावा करने वाले दोनों व्यक्तियों ने खुद को कानूनी वारिस बताते हुए संबंधित दस्तावेज हासिल किए और इसके आधार पर चेंगलपट्टू अतिरिक्त जिला न्यायालय में सिविल मुकदमा दायर कर जमीन में हिस्सेदारी की मांग की। इसके विरोध में श्रीदेवी के पति बोनी कपूर ने अपनी बेटियों जान्हवी कपूर और खुशी कपूर के साथ मिलकर चेंगलपट्टू कोर्ट में याचिका दाखिल कर इस मुकदमे को खारिज करने की मांग की थी। हालांकि चेंगलपट्टू कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज करते हुए कहा था कि संपत्ति के मालिकाना हक का अंतिम निर्णय तभी संभव होगा जब पूरे मामले की सुनवाई पूरी हो जाए। इस फैसले को चुनौती देते हुए बोनी कपूर और उनकी बेटियों ने मद्रास हाई कोर्ट का रुख किया। उन्होंने अदालत में दायर याचिका में आरोप लगाया कि संपत्ति पर दावा करने वाले लोगों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कानूनी वारिस का प्रमाणपत्र हासिल किया है। याचिका में यह भी कहा गया कि संपत्ति के असली मालिक मायलापुर में रहते थे, जबकि दावेदारों ने वर्ष 2005 में तांबरम तहसीलदार कार्यालय से कथित रूप से गलत जानकारी देकर वारिस प्रमाणपत्र बनवा लिया।

साथ ही यह तर्क भी दिया गया कि चंद्रशेखरन मुदलियार की पहली पत्नी के जीवित रहते हुए दूसरी शादी का दावा कानूनी रूप से मान्य नहीं है, इसलिए दूसरी पत्नी के बच्चों को वारिस का अधिकार नहीं मिल सकता। मामले की सुनवाई जस्टिस टी.वी. तमिलसेल्वी की पीठ ने की। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले को 26 मार्च तक के लिए स्थगित करते हुए तब तक चेंगलपट्टू कोर्ट में चल रही सभी कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया।

दीपिका पादुकोण के आठ घंटे शिफ्ट की डिमांड पर दिव्या दत्ता ने दी प्रतिक्रिया, बोलीं- 'मेरी स्थिति अलग है'

दीपिका पादुकोण के आठ घंटे शिफ्ट की डिमांड करने के बाद इंडस्ट्री में इसको लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। इस बहस पर पूरी इंडस्ट्री दो खेमों में बंटी नजर आई। अधिकांश सेलेब्स ने जहां दीपिका पादुकोण की मांग का समर्थन किया। तो वहीं कुछ ने इससे अपनी नाइत्तेफाकी भी जताई। अब अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी है।

हम जनरलाइज नहीं कर सकते

एचटी सिटी से बात करते हुए दिव्या दत्ता ने कहा कि हम इन चीजों को जनरलाइज नहीं कर सकते। एक कार्यक्रम का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि वहां एक महिला महिला अधिकारों के बारे में बात कर रही थी। उसी समय पुरुष विरोधी बातें भी हो रही थीं। तभी वहां एक आदमी खड़ा हुआ और बोला, 'मैडम, मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूं, लेकिन क्या आप कृपया संबंधित व्यक्ति से कह सकती हैं?' इसलिए हम इन चीजों को जनरलाइज नहीं कर सकते।

जो मुझे ठीक लगे, हो सकता दूसरे को न लगे

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि जो बात मुझे ठीक लगे, वो दूसरे को शायद ठीक न लगे। उनकी स्थिति मेरी स्थिति से अलग है। तो किसी की स्थिति पर टिप्पणी करने वाली मैं कौन होती हूं? वैसे भी ये दो लोगों के बीच का मामला है। ये एक्टर्स और निर्माता के बीच का मामला है। अगर मुझे कभी जल्दी जाना पड़े और निर्देशक को इससे कोई आपत्ति न हो, तो कोई बात नहीं। अगर उन्हें आपत्ति है, तो वो साथ काम नहीं करते। बात इतनी ही सरल है।

'चिरैया' में नजर आई हैं दिव्या दत्ता

वर्कफ्रंट की बात करें तो दिव्या दत्ता की नई सीरीज 'चिरैया' आज ही रिलीज हुई है। यह वेब सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। इससे पहले दिव्या को आखिरी बार विक्की कौशल स्टारर फिल्म 'छावा' में देखा गया था। उन्होंने फिल्म में सोयराबाई की भूमिका निभाई थी।

आईपीएल 2026: दिल्ली कैपिटल्स ने आयरलैंड के जॉन मूनी को अपना फील्डिंग कोच बनाया

नईदिल्ली,(आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए दिल्ली कैपिटल्स ने आयरलैंड के पूर्व खिलाड़ी जॉन मूनी को अपना फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। मूनी एशिया कप 2026 के दौरान अफगानिस्तान के साथ काम करते हुए नजर आए थे। इसके अलावा उन्होंने वेस्टइंडीज की टीम के साथ भी कोचिंग की है। बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स अपने अभियान की शुरुआत लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 1 अप्रैल को होने वाले मैच से करेगी।

दिल्ली कैपिटल्स ने औपचारिक रूप से ऐलान किया है। इसके साथ ही मूनी दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख कोच हेमांग बदानी की अगुवाई वाले कोचिंग दल में शामिल हो गए हैं। इस टीम के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल हैं और असिस्टेंट कोच की भूमिका में इयान बेल हैं। इनके अलावा वेणुगोपाल राव डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट हैं। पिछले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर रहे केविन पीटरसन आईपीएल 2026 में टीम के साथ नहीं रहेंगे। मूनी ने आयरलैंड की ओर से 64 वनडे खेले थे, जिसमें 23.48 की औसत और 79.25 की स्ट्राइक रेट के साथ 963 रन बनाए थे। दूसरी तरफ गेंदबाजी में 48 विकेट लिए थे। जब वनडे विश्व कप 2011 में आयरलैंड ने इंग्लैंड को हराकर उलटफेर किया था, तब मूनी उस आयरिश टीम के प्रमुख सदस्य थे।

युशस्वी सहित इन तीन क्रिकेटरों पर रहेगी रॉयल्स की जिम्मेदारी

मुम्बई (ए.)। आईपीएल में इस बार नये कप्तान रियान पराग के साथ उतर रही। राजस्थान रॉयल्स का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। रॉयल्स के पास उभरते क्रिकेटर युशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी और शिमोन हैटमायर हैं हालांकि उसे इस सत्र में अनुभवी बल्लेबाज संजू सैमसन की कमी खेलेगी। टीम का उम्मीद रहेगी की उसके युवा खिलाड़ जबरदस्मत प्रदर्शन कर उसे जीत दिलायें। पिछले कुछ सत्र में टीम ने युवाओं को अधिक से अधिक अवसर दिये हैं। जिस प्रकार से वैभव, यशस्वी और पराग सहित युवा खेल रहे हैं उससे रॉयल्स का सामना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। ये खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और टीम की सफलता काफी हद तक इनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। राजस्थान रॉयल्स की सबसे बड़ी ताकत उनकी संतुलित बल्लेबाज़ी है। टीम में शीर्ष क्रम से लेकर मध्य क्रम तक ऐसे खिलाड़ी हैं जो बड़े शॉट्स खेलने के साथ-साथ पारी को संभालने में कुशल हैं। टीम में देशी ओर विदेशी खिलाड़ियों का मिश्रण इसे ओर भी अधिक घातक बनाता है। टीम किसी भी प्रकार के हालातों में निडर होकर खेलने तैयार है। इसके बाद भी इन तीन खिलाड़ियों को निभानी होगी अहम भूमिका। यशस्वी जायसवाल : यशस्वी जायसवाल इस सीज़न में टीक के सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ साबित हो सकते हैं। बाएं हाथ के इस युवा ओपनर ने पिछले सीज़न में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 पारियों में 559 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट 159.71 रहा, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाज़ी को दिखाता है। वह बड़ी पारी खेलने में माहिर होने के साथ ही एंकर की भूमिका भी निभाते हैं। सैमसन के टीम से जाने के बाद अब बल्लेबाज़ी की जम्मिेदारी काफी हद तक उनके पास रहेगी। ऐसे में टीम को अच्छी शुरुआत देने की जिम्मेदार उनपर रहेगी।

वैभव सूर्यवंशी: 14 साल के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी रॉयल्स के लिए सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं।

अजीत अगरकर ने बीसीसीआई से विश्व कप 2027 तक अपना कार्यकाल बढ़ाने की मांग की

नईदिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही में टी-20 विश्व कप 2026 जीता था, जबकि पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब पर कब्जा जमाया था। टीम के अच्छे प्रदर्शन के बीच भारतीय चयनकर्ता प्रमुख अजीत अगरकर ने अपने कार्यकाल को बढ़ाने की मांग की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगरकर ने वनडे विश्व कप 2027 तक इस पद पर बने रहने की गुजारिश की है। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।

अगरकर जून 2023 से इस पद पर मौजूद हैं। इससे पहले बीसीसीआई ने 2025 आईपीएल से पहले उनके समय को 1 साल के लिए बढ़ाया था और जून 2026 में उनके कार्यकाल का समापन होना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिलहाल अगरकर के बाद इस पद के लिए कोई बड़ा चेहरा नहीं है। ऐसे में अब गेंद बीसीसीआई के पाले में हैं कि वह अगरकर को बरकरार रखते हैं या नए चेहरे को मौका देते हैं।

खबरों के अनुसार, अगरकर की गुजारिश को लेकर बातचीत चल रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। ऐसी भी खबर है कि वेस्ट जोन के पूर्व भारतीय खिलाड़ी अगरकर की जगह लेने की दौड़ में सबसे आगे थे, लेकिन इस मामले में भी फैसला नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि यह मांग टी-20 विश्व कप 2026 जीत के ठीक बाद की गई है, जिससे फैसला अगरकर के पक्ष में जा सकता है।

अगरकर के कार्यकाल के दौरान भारतीय टीम ने 3 आईसीसी ट्रॉफी (टी-20 विश्व कप 2024 और 2026, चैंपियंस ट्रॉफी 2025) जीती हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में टीम ने निराश किया है। भारत ने घर पर खेलते हुए लगातार 2 टेस्ट सीरीज गंवाई। इसके साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम ने निराश किया था। इन शिकस्तों के चलते ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे चक्र के फाइनल में नहीं पहुंच सकी थी।

मेसी-रोनाल्डो के बाद अब नेमार और रूनी में छिड़ी 'जंग'! आंकड़ों ने खोल दी पोल, जानिए कौन है असली सिकंदर

नईदिल्ली,(आरएनएस)। खेल की दुनिया में दिग्गजों के बीच 'कौन बेहतर है' की बहस कोई नई बात नहीं है। सालों तक फुटबॉल फैंस लियोनेल मेसी की कलात्मकता और क्रिस्टियानो रोनाल्डो की फुर्ती को लेकर आपस में भिड़ते रहे हैं। लेकिन अब सोशल मीडिया पर एक नई और दिलचस्प जंग छिड़ गई है। यह ताजा विवाद इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज फुटबॉलर वेन रूनी और ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार को लेकर है, जिसने इंटरनेट पर तूफान ला दिया है।

पॉडकास्ट के एक बयान से सोशल मीडिया पर मचा बवाल

जिन लोगों को लग रहा है कि रूनी और नेमार के करियर में तो कोई सीधा संबंध नहीं है, तो आखिर यह बहस शुरू कहां से हुई, उन्हें बता दें कि इसकी जड़ में वेन रूनी का एक हालिया बयान है। दरअसल, 'द ओवरलैप' पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान वेन रूनी ने नेमार को मेसी और रोनाल्डो की लीग में रखने से साफ इनकार कर दिया। बात यहीं खत्म नहीं हुई, रूनी ने यह भी कह दिया कि वह नेमार को कभी 'टॉप टॉप प्लेयर' नहीं मानते। रूनी की इसी बेबाक टिप्पणी के बाद फैंस के बीच यह बहस तेज हो गई कि आखिर नेमार और रूनी में से असली बॉस कौन है।

क्या मेसी और रोनाल्डो को पछाड़ सकते थे नेमार?

पिछले कई सालों से फुटबॉल जगत में नेमार को मेसी और रोनाल्डो के बाद पिछली पीढ़ी का तीसरा सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता रहा है। अपनी शानदार स्किल्स, गोल करने की अचूक क्षमता और सटीक पासिंग के दम पर नेमार ने अपने सुनहरे दौर में पूरी दुनिया का दिल जीता। हालांकि, चोटों और विवादों से घिरे रहने के कारण नेमार कभी अपनी उस पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाए, जिसकी उनसे उम्मीद थी। कई खेल पंडित मानते हैं कि अगर चीजें सही रहतीं, तो वह अपने प्राइम में मेसी और रोनाल्डो को भी पीछे छोड़कर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बन सकते थे।

आंकड़ों ने बताया कौन है फुटबॉल का असली बॉस

जब बात इन दोनों दिग्गजों के आंकड़ों की आती है, तो तस्वीर बिल्कुल साफ हो जाती है और यहां नेमार, वेन रूनी को मीलों पीछे छोड़ देते हैं। नेमार ने अब तक अपने क्लब और देश के लिए 750 से अधिक मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 400 से ज्यादा गोल दागे हैं और 250 से अधिक असिस्ट किए हैं। दूसरी तरफ, वेन रूनी ने अपने पूरे करियर में 800 से ज्यादा मैच खेलकर 350 से अधिक गोल किए और 170 से ज्यादा असिस्ट दिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि रूनी फुटबॉल के एक महान लेजेंड हैं, लेकिन जब बात नंबर गेम की आती है, तो नेमार ने रूनी को स्पष्ट रूप से पछाड़ दिया है।

थरूर को याद आई गंभीर की बात, सैमसन को अगला धोनी बनने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली (ए)। आईसीसी टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से ही बल्लेबाज संजू सैमसन छाये हुए हैं। संजू की प्रशंसा करते हुए केरल से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा है कि एक बार उनसे टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि उसे दूसरा महेंद्र सिंह धोनी बनने की जरूरत नहीं है क्योंकि वह अपने में ही खास है और उसे संजू सैमसन ही बने रहना चाहिये।

थरूर ने कहा कि तब उन्होंने बातचीत के दौरान गंभीर से कहा था कि वह अगला धोनी बनेगा। वहीं अब थरूर ने गंभीर की इस बात को याद करते हुए विश्वकप में संजू की बल्लेबाजी के अंदाज को सराहा है। थरुर का कहना है कि वह क्लब क्रिकेटर के तौर पर करियर की शुरुआत से ही सैमसन को पसंद करते हैं। अब जबकि उसने इतनी उपलब्धियों को हासिल कर लिया है कि उन्हें उसपर गर्व होता है।

उन्होंने कहा, मैं उससे तब मिला था जब वह 14 साल का था, वह एक युवा क्लब क्रिकेटर था। वह देखने में भले ही कमजोर लगता था पर मन से काफी मजबूत था। उसमें जबरदस्त प्रतिभा थी। वह उस समय से ही विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों कर रहा था। थरूर ने कहा, मैंने तब सैमसन से कहा था कि वह अगला धोनी बनेगा। इस बात को जब मैंने गंभीर से कहा, तो उन्होंने कहा कि नहीं, नहीं, उसे अगला धोनी बनने की जरूरत नहीं है, वह अपने में ही विशेष है, उसे सैमसन ही बने रहना होगा। और से बात सही साबित हुई है।

आईपीएल: एक संस्करण में 60+ की औसत और 160+ की स्ट्राइक रेट से 600+ रन

नईदिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में अब तक सिर्फ एक बार किसी बल्लेबाज ने संस्करण में 900 रन का आंकड़ा पार किया था। विराट कोहली (973 रन, 2016) ऐसा कारनामा कर चुके हैं। हालांकि, कई बल्लेबाज एक संस्करण में 600 रन का आंकड़ा पार करने में सफल हुए हैं। इस बीच एक संस्करण में 60+ की औसत और 160+ की स्ट्राइक रेट से 600 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

पूर्व कैरेबियाई दिग्गज क्रिस गेल को 2011 संस्करण में आरसीबी से खेलते हुए ऑरेंज कैप मिली थी। आईपीएल 2011 में उन्होंने 12 मैचों में 67.55 की औसत और 183.13 की स्ट्राइक रेट से 608 रन बनाए थे। उस संस्करण में आरसीबी की टीम फाइनल में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ हारकर उपविजेता रही थी। खिताबी मैच में गेल अपना खाता भी नहीं खोल सकी थी और चेन्नई सुपरकिंग्स ने 58 रन से मैच जीता था।

आईपीएल 2012 में भी गेल का बल्ला खूब चला था। उन्होंने आरसीबी से ही खेलते हुए 14 परियों में 61.08 की औसत और 160.74 की स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाए थे। इस बीच उन्होंने एक शतक और 7 अर्धशतक लगाए थे। 2012 में आरसीबी की टीम अंक तालिका में 5वें स्थान पर रही थी।

विदेश समाचार

दक्षिण कोरिया की ऑटो पार्ट्स फैक्ट्री में लगी भीषण आग, कम से कम 53 लोग हुए घायल

सियोल (आरएनएस)। दक्षिण कोरिया के शहर डेजॉन में एक ऑटो पार्ट्स फैक्ट्री में शुक्रवार को आग लगने से कम से कम 53 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि घायलों की संख्या बढ़ सकती है। शहर के फायर चीफ नाम ड्यूक-वू ने बताया कि इनमें से 24 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। अधिकारी कम से कम 14 अन्य लोगों की तलाश कर रहे हैं, जिनके बारे में माना जा रहा है कि आग लगने के समय वो फैक्ट्री के अंदर ही थे।

अधिकारी तुरंत इस बात की पुष्टि नहीं कर पाए कि घायलों में से किसी की मौत हुई है या नहीं। घटनास्थल से मिले वीडियो में फैक्ट्री परिसर से घना, भूरे रंग का धुआं उठता हुआ दिखाई दे रहा था। आग लगने की सूचना दोपहर करीब 1:17 बजे मिली। नाम ने बताया कि आग लगने का कारण अभी तुरंत पता नहीं चल पाया है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि आग बहुत तेजी से फैली। प्रत्यक्षदर्शियों ने कथित तौर पर एक धमाके की आवाज भी सुनी थी।

अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग की वजह से फैक्ट्री की एक इमारत पूरी तरह से तबाह हो गई। दमकलकर्मी इमारत के अंदर नहीं जा पाए, क्योंकि उन्हें इस बात का डर था कि इमारत ढह सकती है। दमकलकर्मियों का मुख्य ध्यान आग को पास की दूसरी फैक्ट्री तक फैलने से रोकने और घटनास्थल से रसायनों को हटाने पर केंद्रित था।

सूत्रों ने बताया कि कुछ लोग इमारत से कूदकर भागने की कोशिश में घायल हो गए, जबकि कुछ अन्य धुएं से बुरी तरह प्रभावित हुए। पुलिस अभी भी लापता 14 लोगों के मोबाइल फोन सिग्नल ट्रैक कर रही है। आग बुझाने वाले 250 से अधिक दमकलकर्मी, पुलिस और अन्य आपातकालीन कर्मियों को तैनात किया गया था, साथ ही लगभग 100 वाहन और उपकरण भी लगाए गए थे। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने आग पर काबू पाने और बचाव कार्यों में सहायता के लिए कर्मियों और उपकरणों को पूरी तरह से जुटाने का निर्देश दिया है।

ट्रंप की निकली हेकड़ी: ईरान ने अमेरिकी विमान स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35 को किया क्षतिग्रस्त

तेहरान,(ए.)। ईरान और अमेरिका के बीच जारी भीषण संघर्ष में, अमेरिका का सबसे आधुनिक स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35 संदिग्ध रूप से ईरानी हमले की चपेट में आ गया। इस हमले के बाद विमान को मध्य पूर्व के एक गुप्त एयरबेस पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने पुष्टि की है कि यह फाइटर जेट ईरान के ऊपर एक कॉम्बैट मिशन पर था, तभी उसे नुकसान पहुंचा। हालांकि, राहत की बात यह है कि पायलट सुरक्षित है। यदि स्वतंत्र रूप से इस हमले की पुष्टि होती है, तो इस युद्ध में यह पहली बार होगा जब ईरान ने सीधे तौर पर किसी अमेरिकी अत्याधुनिक लड़ाकू विमान को निशाना बनाया है।

इससे पहले भी अमेरिकी वायुसेना को इस संघर्ष में नुकसान उठाना पड़ा है, लेकिन वे घटनाएं तकनीकी खामियों या गलतफहमी का परिणाम थीं। हाल ही में तीन एफ-15 विमान कुवैत की एयर डिफेंस प्रणाली द्वारा गलती से मार गिराए गए थे, जबकि इराक में एक रिफ्यूलिंग विमान क्रैश होने से 6 सैनिकों की मौत हो गई थी। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विरोध के स्वर उठने लगे हैं। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने इस युद्ध को गैरकानूनी करार देते हुए इसकी कड़ी आलोचना की है। दूसरी ओर, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मौत को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर विराम लग गया है।

ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका ने 16 विमान खोए

वाशिंगटन,,(ए.)। इजरायल से मिलकर ईरान के खिलाफ जंग लड़ रहे अमेरिका ने पिछले 20 दिन में अपने 16 विमान खो दिए, जिसमें 12 ड्रोन, 3 लड़ाकू विमान और एक बड़ा सैन्य विमान शामिल है। अमेरिकी सेना ने अभी किसी भी विमान को दुश्मन द्वारा गिराए जाने की पुष्टि नहीं की गई है। सभी विमान किसी हादसे का शिकार हुए हैं। यह खबर तब सामने आई, जब ईरानी सेना ने एक अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान को क्षतिग्रस्त करने का दावा किया है।अमेरिका ने 28 फरवरी से शुरू हुए युद्ध में करीब 12 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन खोए हैं। इसमें 9 ड्रोन को ईरानी रक्षा प्रणाली ने मार गिराया है, जबकि एक ड्रोन जॉर्डन के हवाई अड्डे पर हमले मिसाइल हमले से नष्ट हुआ। इसके अलावा 2 अन्य रीपर ड्रोन हादसों में नष्ट हुए हैं। यह अमेरिकी सेना का सबसे प्रमुख यूएवी ड्रोन है, जो 27 घंटे से ज्यादा 50,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ सकता है। इसमें 1,700 किलोग्राम पेलोड क्षमता है।अमेरिका के 3 एफ-15 लड़ाकू विमान पिछले दिनों कुवैत में गिर गए थे। बाद में बताया गया कि इन्हें कुवैत सेना द्वारा गलती से मार गिराया गया था। हालांकि, विमान में सवार सभी 7 चालक दल के सदस्य सुरक्षित बच गए। इसके बाद इराक के ऊपर विमान से विमान में ईंधन भरने वाला बड़ा अमेरिकी केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर विमान भी दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

ईरान में 19 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय कुश्ती पहलवान की फांसी, अन्य ईरानी खिलाड़ियों में पसरी चिंता?

तेहरान, (आरएनएस)। ईरान के इस्लामी शासन ने गुरुवार को 3 लोगों को गुपचुप तौर पर फांसी दी है, जिसमें से एक 19 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय कुश्ती पहलवान सालेह मोहम्मदी भी शामिल हैं। तीनों को इस साल जनवरी में हुए सरकारी विरोधी देशव्यापी आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किया गया था। उन पर 2 पुलिस अधिकारियों की हत्या समेत कई आरोप हैं। सालेह की फांसी के बाद हिरासत में लिए गए अन्य एथलीटों के भविष्य को लेकर आशंकाएं पैदा हो गई हैं।

हेंगाव मानवाधिकार संगठन ने मोहम्मदी की कुश्ती का वीडियो पोस्ट कर एक्स पर लिखा कि मोहम्मदी को 19 मार्च, 2026 की गुरुवार की सुबह कोम केंद्रीय जेल में ईश्वर के विरुद्ध शत्रुता (मोहारेबेह) के आरोप में गुपचुप तरीके से फांसी दे दी गई। जो वीडियो संगठन ने साझा किया है, वह मोहम्मदी ने ही अपने इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया था, जिसमें उनकी खेल यात्रा का विवरण था। फांसी पाए 2 अन्य लोग मेहदी गसेमी और सईद दाऊदी हैं।

मोहम्मदी का जन्म 2007 में हुआ था। उन्होंने सितंबर 2024 में रूस के क्रास्नोयार्स्क में आयोजित सैतियेव अंतरराष्ट्रीय कप में ईरान की राष्ट्रीय फ्रीस्टाइल कुश्ती टीम के लिए कांस्य पदक जीता था। ईरान में प्रदर्शन के दौरान फुटबॉलर मोहम्मद हुसैन हुसैनी, वाटर पोलो गोलकीपर अली पिशेवरजादेह, मैराथन धावक निलोफर पास, किकबॉक्सिंग चैंपियन बेंजामिन नाघदी, किशोर फुटबॉलर अबोलफजल दोख्त, मुक्केबाज मोहम्मद जावद वफेई सानी और कई कोच भी हिरासत में हैं।

ईरान को लगा एक और बड़ा झटका, इजरायली हमले में मारे गए आईआरजीसी के प्रवक्ता अली मोहम्मद

तेहरान,(आरएनएस)। इजरायल-अमेरिका के साथ ईरान की जंग जारी है। इस जंग के बीच ईरान को एक और बड़ा झटका लगा है। दरअसल, लगातार हो रहे हमलों के बीच आईआरजीसी के प्रवक्ता अली मोहम्मद की मौत होने की खबरें सामने आ रही हैं। मिली जानकारी के मुताबिक इजरायल के हमले में अली मोहम्मद की मौत हो गई हैं। ईरान ने भी अली मोहम्मद की मौत की पुष्टि कर दी है। बता दें कि मिडिल ईस्ट में जारी जंग का आज 21वां दिन है। हर दिन ये जंग और भीषण होती जा रही है। हाइफा शहर पर ईरान के हमले का इजरायल ने करारा जवाब दिया है।

इजरायल ने तेहरान पर एक के बाद एक कई हमले किए हैं, जिससे पूरा तेहरान थर्रा गया है। तेहरान से इजरायली हमले का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें बड़ा धमाका होता दिखाई दे रहा है। दावा है कि इजरायली मिसाइल लगातार तेहरान को टारगेट कर रही हैं, जहां तेहरान में धमाकों की आवाज सुनी गई। इससे पहले गुरुवार रात ईरान ने 4 खाड़ी देशों पर जबरदस्त स्ट्राइक की। ईरान ने दुबई, बहरीन, कुवैत और यूएई पर हमले किए हैं। दुबई सरकार ने इन हमलों की पुष्टि कर दी है। वहीं बहरीन में ईरान के हमले से एक गोदाम जलकर खाक हो गया। खाड़ी देशों में लगा अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम इन हमलों को नाकाम करने में लगा है। दरअसल, इजरायल ने पहली बार कैस्पियन सागर में ईरान के नौसैनिक ठिकानों पर हमला किया है। इस हमले में मिसाइल जहाज, और कमांड सेंटर तबाह कर दिए गए हैं। ईरान का ये इलाका रूस के बॉर्डर के पास है। वहीं इस रास्ते से जो भी सामान मॉस्को भेज रहा था, अब उसकी सप्लाई पर असर पड़ सकता है।

नेतन्याहू का अमेरिका को युद्ध में घसीटने से इनकार, बोला- ईरान की परमाणु-मिसाइल निर्माण क्षमता खत्म

यरूशलम (आरएनएस)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ युद्ध के 20वें दिन अंतरराष्ट्रीय मीडिया के साथ पहली प्रत्यक्ष प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने जीवित होने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि ईरान अब परमाणु हथियार या बैलिस्टिक मिसाइलों का निर्माण नहीं कर सकता। वह बुरी तरह तबाह हो चुका है। उन्होंने ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका को शामिल करने के फैसले पर कहा कि अमेरिका अपने फैसले लेने में खुद सक्षम है, उस पर कोई दबाव नहीं बना सकता।

नेतन्याहू ने कहा, 20 दिन बाद, मैं बता सकता हूं कि आज ईरान के पास यूरेनियम संवर्धन और बैलिस्टिक मिसाइलों का उत्पादन करने की कोई क्षमता नहीं। हम इनको कुचलना जारी रखेंगे। ईरान काफी कमजोर है, जबकि इजरायल क्षेत्रीय शक्ति है और कुछ लोग इसे विश्व शक्ति भी कहते हैं। उन्होंने बताया कि जून में ऑपरेशन राइजिंग लायन में मिसाइल और परमाणु हथियार के बुनियादी ढांचे को नष्ट किया था, अब उनके पुर्जे बनाने वाले कारखाने नष्ट कर रहे हैं।

इजरायल पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को युद्ध में शामिल करने का आरोप लग रहा है, जिस पर नेतन्याहू ने कहा, क्या सच में कोई सोचता है कि

कोई राष्ट्रपति ट्रंप को बता सकता है कि उन्हें क्या करना चाहिए? राष्ट्रपति वही निर्णय लेते हैं जो उन्हें अमेरिका के लिए अच्छा लगता है। मैंने किसी को गुमराह नहीं किया। मुझे यह समझाने की जरूरत नहीं पड़ी कि ईरान को रोकना कितना जरूरी है। वह समझते थे। उन्होंने मुझे समझाया, मैंने नहीं।

एक दिन पहले इजरायल ने ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने कतर के रास लफान गैस संयंत्र पर मिसाइल दागी, जिससे ट्रंप नाराज हुए। इससे जाहिर हुआ कि इजरायल-अमेरिका के बीच हमले को लेकर समन्वय नहीं हुआ। नेतन्याहू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस संभावना को खारिज कर कहा कि गैस परिसर पर हमला इजरायल ने अकेले किया था और ट्रंप ने भविष्य में हमले रोकने को कहा है, जो हमनें स्वीकारा है।

नेतन्याहू ने होर्मुज जलडमरूमध्य को ईरान द्वारा बंद किए जाने पर कहा कि तेल और गैस के प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य और बाब-अल-मंडाब जलडमरूमध्य के अवरोधी मार्गों की जगह वैकल्पिक मार्ग होना चाहिए। उन्होंने युद्ध की समयसीमा पर कहा कि उन्हें यह भी लगता है कि यह युद्ध लोगों की सोच से कहीं अधिक तेजी से समाप्त हो जाएगा।

सलकनपुर मंदिर परिसर में सुचारु रूप से संचालित हो रही हैं सभी व्यवस्थाएं

सामान्य गति से चल रही है यातायात व्यवस्था, श्रद्धालुओं के लिए लगाया गया है हेल्थ कैंप

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अधिकारी-कर्मचारी मुस्तैदी से कर रहे हैं ड्यूटी

सीहोर(निप्र)। चैत्र नवरात्रि पर विजयासन देवी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का सलकनपुर आगमन हो रहा है। श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना एवं दर्शन में किसी तरह की कोई परेशानी न हो इसके लिए कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त पार्किंग, पेयजल, साफ-सफाई तथा पर्याप्त बिजली की व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के सुगम आगमन एवं निर्गमन के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ ही मेला स्थल पर दुकानों को व्यवस्थित ढंग से लगाया गया है, जिससे किसी प्रकार की असुविधा न हो।

ट्रैफिक नियंत्रण के लिए भी पर्याप्त संख्या में पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए हेल्थ कैंप लगाया गया हैं। जिससे श्रद्धालुओं को चिकित्सा की आवश्यकता पड़ने पर तत्काल रूप से मेडिकल सहायता प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही इमरजेंसी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई है। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में कोई परेशानी न हो, इसके लिए मुख्य स्थानों पर हेल्प डेस्क बनाए गए हैं। इसके साथ ही मंदिर परिसर में कन्ट्रोल रूम भी बनाए गए हैं, जिससे ड्यूटी के दौरान सभी अधिकारी-कर्मचारी सतत संपर्क में हैं और पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी कर रहे हैं।

मरदानपुर जलप्रदाय योजना के 86 ग्रामों में आगामी तीन दिनों तक 03 भागों में बांटकर किया जायेगा जलप्रदाय

सीहोर (निप्र)। मरदानपुर ग्रामीण समूह जलप्रदाय योजना से भैरूंदा एवं बुधनी के 161 ग्रामो में पेयजल प्रदाय किया जाता है। योजनांतर्गत जल शोधन संयंत्र पर लगे 03 मोटर पंपों में से 02 में तकनीकी समस्या आ जाने के कारण सिर्फ 01 मोटर पंप से जलप्रदाय किया जा रहा है। 02 मोटर पंप की मरम्मत का कार्य जारी है एवं नवरात्री पर्व में देवीधाम सलकनपुर में पेयजल प्रदाय को ध्यान में रहते हुए योजना के सलकनपुर जोन के 86 ग्रामों में आगामी तीन दिनों तक जलप्रदाय 03 भागों में बांटकर किया जायेगा।इसके लिए परियोजना के डिप्टी टीम लीडर भूपेंद्र यादव द्वारा तीन दिनों का शेड्यूल जारी किया गया है। जारी शेड्यूल अनुसार प्रथम दिवस में ग्राम आंवलीघाट, गंजीट, इटारसी, नीलकछार, नक्तिलाई, पानगुराडिया, मथिनी, मुर्राह, धानकोट, पाथोड़ा, चारुआ, जहाजपुरा, सतुमड़ी, सतारा, दीपाखेड़ा, होलीपुरा, पिलिकारार, खंडावाड़, बायन (बान्या), उंचाखेड़ा, पांडाडोह, देवगांव, तालपुरा, महुकला, पातालकोह (गुड़िया), मकोड़िया, सेमरिया और सलकनपुर में जल प्रदाय किया जाएगा।

मरीह माता मंदिर में नवरात्रि के नौ दिनों में मां के नौ रूपों की पूजा-अर्चना

आज नवरात्रि के तीसरे दिन किया जाएगा मां चंद्रघंटा का दिव्य अनुष्ठान

सीहोर। हर साल की तरह इस साल भी नवरात्रि के पावन अवसर पर शहर के विश्रामघाट स्थित मरीह माता मंदिर में आस्था और उत्साह के साथ पर्व मनाया जा रहा है। यहां पर उपस्थित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने दूसरे दिन मां के दूसरे स्वरूप माता ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना की। यहां पर सुबह हवन के पश्चात आरती की गई। वहीं पांच दर्जन से अधिक कन्याओं को भोजन के पैकेटों का वितरण किया। उक्त आयोजन मंदिर के व्यवस्थापक गोविन्द रोहित मेवाड़ा, पंडित उमेश दुबे, जितेन्द्र तिवारी, पंडित पवन व्यास, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिषाचार्य पंडित गणेश शर्मा, हर्ष नामदवे और आयुष गुप्ता सहित अन्य के द्वारा किया जा रहा है। वहीं सुबह हवन और आरती का आयोजन किया गया। आगामी 27 मार्च को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

संस्कार मंच के संयोजक मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि मां दुर्गा की नवशक्ति का दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। यहां ब्रह्म का अर्थ तपस्या से है। मां दुर्गा का यह स्वरूप भक्तों और सिद्धों को अनंत फल देने वाला है। इनकी उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है। ब्रह्मचारिणी का अर्थ तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। देवी का यह रूप पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत भव्य है। इस देवी के दाएं हाथ में जप की माला है और बाएं हाथ में यह कमण्डल धारण किए हैं। पूर्वजन्म में इस देवी ने हिमालय के घर पुत्री रूप में जन्म लिया था और नारदजी के उपदेश से भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। इस कठिन तपस्या के कारण इन्हें तपश्चारिणी अर्थात ब्रह्मचारिणी नाम से अभिहित किया गया। लंबे समय तक इन्होंने केवल फल-फूल खाकर बिताए और सौ वर्षों तक केवल जमीन पर रहकर शाक पर निर्वाह किया।

कुछ दिनों तक कठिन उपवास रखे और खुले आकाश के नीचे वर्षा और धूप के घोर कष्ट सहे। तीन हजार वर्षों तक टूटे हुए बिल्व पत्र खाए और भगवान शंकर की आराधना करती रहीं। इसके बाद तो उन्होंने सूखे बिल्व पत्र खाना भी छोड़ दिए। कई हजार वर्षों तक निर्जल और निराहार रह कर तपस्या करती रहीं। पत्तों को खाना छोड़ देने के कारण ही इनका नाम अपर्णा नाम पड़ गया। शनिवार को मरीह माता मंदिर में चंद्रघंटा मां की पूजा अर्चना की जाएगी।

ग्रीष्मकाल में पेयजल समस्याओं के निराकरण के लिए सूखा राहत प्रकोष्ठ कंट्रोल रूम स्थापित

सीहोर (निप्र)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रीष्म काल में पेयजल समस्याओं की सूचना प्राप्त करने, संबंधितों को सूचनायें प्रेषित करने, प्राप्त सूचनाओं पर की गई कार्यवाही का विवरण संकलित करने एंव ग्रामीण पेयजल व्यवस्था की मॉनिटरिंग से संबंधित समस्त आवश्यक जानकारी संकलित करने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के खण्ड सीहोर एवं उपखण्डों के अंतर्गत सूखा राहत प्रकोष्ठ कन्ट्रोल रूम का गठन किया गया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड सीहोर स्तर पर गठित कंट्रोल रूम का नंबर 9893416712 है।

जिले में अनेक स्थानों पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अनेक जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित

सीहोर(निप्र)। शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले मे 19 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जनभागीदारी के माध्यम से कुओं, तालाओं, नदियों एवं अन्य जल स्त्रोतों की साफ सफाई एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। अभियान के तहत जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार के लिए जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक मिलकर श्रमदान कर रहे हैं, ताकि जल स्त्रोतों का संरक्षण हो सके। इसी क्रम जल संरक्षण गतिविधियों के अंतर्गत 20 मार्च को बुधनी के वार्ड क्रमांक 07 में पुराने बोरवेल की सफाई की गई और मोटर पंप डालकर बोर को चालू किया गया, जिससे वहां के नागरिकों को सुलभ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

राज्य स्तरीय इंग्लिश ओलंपियाड प्रतियोगिता के लिए जिले के चार विद्यार्थियों का हुआ चयन

सीहोर(निप्र)। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा हर साल आयोजित की जाने वाली राज्य स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में सीहोर जिले के चार छात्र-छात्राओं ने चयनित होकर जिले को गौरवान्वित किया है। राज्य स्तरीय इंग्लिश ओलंपियाड में जिले के इन प्रतिभावान टॉपर विद्यार्थियों को राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जिला स्तरीय ओलंपियाड अंग्रेजी परीक्षा में भैरूंदा के ग्राम हाथीघाट नदीपार के शासकीय प्राथमिक स्कूल की कक्षा 03 की छात्रा कुमारी नंदिनी, कक्षा 04 के छात्र आर्यंस और कक्षा 02 के छात्र दक्ष टॉपर रहे हैं। इसी प्रकार भैरूंदा के ही ग्राम नंदगांव के शासकीय माध्यमिक शाला की कक्षा 05 की छात्रा कुमारी अल्फिया खान ने भी परीक्षा के उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके साथ ही अब इन बच्चों को राज्य स्तरीय ओलंपिक प्रतियोगिता के लिए चयन हो गया है। इन सभी टॉपर बच्चों को उनके अभिभावकों एवं मार्गदर्शी शिक्षकों के साथ 22 एवं 23 मार्च को ग्वालियर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

विद्यालयों को बंद कर सीएम राइस (सान्दीपनि विद्यालय) को अस्तित्व मे लाने का शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने किया विरोध

सीहोर। जिले में संचालित सांदीपनी (सीएम राइज) विद्यालयों के आसपास के ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों को बंद करने की प्रक्रिया का शिक्षक संयुक्त मोर्चे कड़ा विरोध किया है। इस संबंध में मोर्चा द्वारा स्थानीय विधायक सुदेश राय को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई रोकने की मांग की गई है। विधायक सुदेश राय ने आश्वासन दिया कि इस संबंध में बच्चों की शिक्षा एवं शिक्षकों दोनों का ध्यान रखा जाएगा।मोर्चे ने बताया कि विभाग द्वारा सीएम राइज विद्यालयों को उनके नवीन भवनों में संचालित करने के निर्देश दिए जा रहे हैं, जिसके चलते आसपास के कई विद्यालयों को उनमें सम्मिलित करने की कार्यवाही की जा रही है। इससे शिक्षा व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई है।मोर्चे के पदाधिकारियों का कहना है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अनुसार प्रत्येक 1 किलोमीटर पर प्राथमिक एवं 3 किलोमीटर पर माध्यमिक विद्यालय का प्रावधान है, लेकिन वर्तमान प्रक्रिया इन नियमों का उल्लंघन कर रही है।उन्होंने यह भी बताया कि कई स्थानीय विद्यालयों को बंद करने की स्थिति बन रही है, जिससे विशेषकर गरीब एवं ग्रामीण बच्चों की शिक्षा प्रभावित होगी और शाला त्याग (ड्रॉपआउट) की संख्या बढ़ सकती है।

गणगौर पर्वः सोलह श्रृंगार कर महिलाओं ने निकाला चल समारोह, निभाई सिंजारा की परंपरा

सीहोर(निप्र)।, अग्रवाल और माहेश्वरी, स्वर्णकार मंडल द्वारा गणगौर का उत्सव जोड़ शोर से मनाया गया। गणगौर के उत्सव को सिंजारे के रूप में मनाया जाता है। जिसमे सभी बड़ी, बुजुर्ग, बहु, बेटियों को सिंजारा देते हैं बहू बेटी और सभी सुहागन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर बाग बगीची में गणगौर माता की पूजा करती आ रही है। शुक्रवार को स्वर्णकार समाज महिला मंडल द्वारा गणगौर उत्सव चल समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन अध्यक्ष सरोज सोनी, संयोजक सुनीता सोनी के तत्वाधान में संपन्न किया। इस समारोह में विभिन्न समाज की महिलाएं सम्मिलित हुई। चल समारोह अग्रवाल पंचायत से प्रारंभ होकर सराफा बाजार और मुकेरी लाइन से होते हुए गांधी पार्क में पहुंचा। पर स्वर्णकार समाज, अग्रवाल और माहेश्वरी समाज महिला मंडल की महिलाओं ने माता गणगौर को झाले देते हुए पारंपरिक गीत गाए। इसी के साथ ही कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। गणगौर पर्व का आयोजन स्वर्णकार समाज महिला मंडल के द्वारा कई सालों से किया जा रहा है। हर साल की तरह इस साल भी चल समारोह स्वर्णकार समाज की महिलाओं द्वारा बड़े धूमधाम और जोर-जोर से आयोजित किया गया। इस समारोह में शहर के विभिन्न समाज की महिलाएं आकर्षक और पारंपारिक वेशभूषा में नजर आई।

महिलाओं ने निभाई सिंजारा की परंपरा

गणगौर से एक दिन पहले मनाया जाने वाला सिंजारा विवाहित महिलाओं और बेटियों के लिए मायके से आने वाला एक पारंपरिक उपहार उत्सव है। इसमें सुहाग की सामग्री, जैसे मेहंदी, घेवर, नए कपड़े, गहने और श्रृंगार का सामान भेजा जाता है। महिलाएं इस दिन मेहंदी रचाती हैं, सजती-संवरती हैं और गणगौर माता की पूजा के लिए खुद को तैयार करती हैं। शुक्रवार को भी महिलाओं ने सिंजारा की परंपरा निभाई।

पेंशनर्स एसोसिएशन के तत्वाधान में श्रद्धांजली सभा का आयोजन

सीहोर(निप्र)। भारतीय स्टेट बैंक पेंशनर्स इकाई सीहोर के सदस्यो ने शहर के छावनी स्थित विश्रामघाट पहुंचकर इकाई के सदस्य रामगोपाल प्रजापति की धर्मपत्नी स्व श्रीमती पार्वती बाई के आकस्मिक देवलोक गमन पर उनके अंतिम कार्य मे सम्मिलित होकर घाट पर श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया। इस मौके पर इकाई के अध्यक्ष हरीश अग्रवाल ने श्रद्धांजली अर्पित करते हुए श्रीमती पार्वती बाई की जीवनशैली व उनके अच्छे व्यवारिक स्वभाव पर प्रकाश डाला, उनके देवलोक गमन से उनके परिवार पर हुए गहन आघात पर सभी ने अपनी संवेदनाए व्यक्त की। इस सभा में इकाई के अध्यक्ष हरीश अग्रवाल, ब्रजेश पालीवाल, आरएस वर्मा, अशोक बरेठा, एलएन बरेठा, लतीफ खान, दिनेश दिनकर, मनोहर बोयत, सतीश डावरे, रामचंद्र मालवीय, कैलाशचंद्र सोनी आदि उपस्थित रहे।

राशन हितग्राहियों को एकमुश्त प्रदान की जाएगी दो-दो माह की राशन सामग्री

सीहोर(निप्र)। शासन द्वारा सभी पात्र राशन हितग्राहियों को मार्च-अप्रैल एवं मई-जून दो-दो माह की राशन सामग्री एक साथ वितरित करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी निर्देशानुसार सभी पात्र परिवारों को मार्च-अप्रैल की राशन सामग्री 10 मार्च से 15 अप्रैल के बीच और मई-जून की राशन सामग्री 01 मई से 31 मई के बीच एक मुश्त प्रदान की जाएगी। पीओएस मशीन में मार्च एवं अप्रैल माह की राशन सामग्री के माहवार वितरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

हितग्राही को राशन प्राप्त करने के लिए माहवार पीओएस मशीन पर बायोमेट्रिक सत्यापन करना होगा। अर्थात हितग्राही को दो माह का राशन एक साथ प्राप्त करते समय पीओएस मशीन पर दो बार अंगूठा लगाना होगा।

मां नर्मदा की पैदल परिक्रमा के बाद भंडारे का आयोजन, शामिल होंगी कई दिग्गज हस्तियां

- कांग्रेस नेता एवं नर्मदा भक्त-सेवक विक्रम मस्ताल शर्मा ने की सभी क्षेत्रवासियों से भंडारे में शामिल होने की अपील

रेहटी(निप्र)। मां नर्मदा के परम भक्त, सेवक एवं कांग्रेस नेता विक्रम मस्ताल शर्मा 'हनुमानजी' ने मां नर्मदा की पैदल परिक्रमा रिकार्ड 90 दिनों में पूरी की। इसके बाद अब मां नर्मदा का विशाल भंडारा भी रखा गया है। भंडारे का आयोजन उनके निज निवास सलकनपुर-इटारसी में 22 मार्च को सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा। इस आयोजन में राजनीतिक क्षेत्र सहित अन्य क्षेत्रों की कई दिग्गज हस्तियां भी शामिल होंगी। इनमें प्रमुख रूप से कांग्रेस नेता नकुलनाथ, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मंत्री एवं विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व मंत्री विधायक जयवर्धन सिंह, जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती, पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल सहित अन्य प्रमुख नेता हैं। भंडारा कार्यक्रम को लेकर तैयारियां चल रही हैं।

पहली बार एक साथ उतरेंगे दो हेलीकाप्टर

विक्रम मस्ताल शर्मा 'हनुमानजी' द्वारा मां नर्मदा भंडारा कार्यक्रम में एक साथ दो हेलीकाप्टर उतरेंगे। संभवत: बुधनी विधानसभा में ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब कोई कार्यक्रम में दो हेलीकाप्टर एक साथ उतरेंगे। उनके निज निवास पर भी दो हेलीपेड बनाए गए हैं। तीसरे हेलीपेड की भी अनुमति ली गई है। एक हेलीकाप्टर नकुलनाथ का उतरेगा तो वहीं दूसरे हेलीकाप्टर में भी दिग्गज नेता पहुंचेंगे।

अधिकारियों ने किया कार्यक्रम स्थल का भ्रमण

कांग्रेस नेताओं के तय शेड्यूल के बाद एसडीएम, एसडीओपी, थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण भी किया है। फिलहाल दो हेलीपेड की अनुमति मिल चुकी है और तीसरे हेलीपेड के लिए भी अनुमति ली जा रही है। बताया जा रहा है कि तीसरा हेलीकाप्टर भी यहां पर उतर सकता है। प्रदेश के अलावा दिल्ली से भी कांग्रेस के नेताओं का आगमन यहां हो रहा है।

'शिव' को भी दिया 'हनुमान' ने आमंत्रण

कांग्रेस नेता एवं नर्मदा भक्त-सेवक विक्रम मस्ताल शर्मा 'हनुमानजी' ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी भंडारे कार्यक्रम का आमंत्रण दिया है। हनुमानजी ने केंद्रीय मंत्री के निवास पहुंचकर उन्हें आमंत्रण दिया। हालांकि फिलहाल उनके आगमन को लेकर अब तक कोई स्थिति साफ नहीं हुई है, लेकिन 22 मार्च को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधनी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। उम्मीद है कि वे इटारसी भी आ सकते हैं। उनके अलावा बुधनी विधायक रमाकांत भार्गव, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रवि मालवीय सहित क्षेत्र के अन्य भाजपा नेताओं को भी आमंत्रण दिया गया है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सीहोर (म.प्र.)

email-modgmseh@mp.gov.in

क्रमांक-1282/खनिज/उ.प./2026, सीहोर, दिनॉक- 18/03/2026

प्रथम सूचना

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-1क)

यह सूचित किया जाता है कि **आवेदक लक्ष्मी शर्मा, पत्नि श्री सुभाष शर्मा, निवासी- म.नं. 123, इन फ्रंट ऑफ जवाहर नवोदय स्कूल रातीबढ़, भोपाल** द्वारा म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-1क के तहत उत्खनिपटटा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर **ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 13.03.2026** को प्रस्तुत किया गया है। विज्ञप्ति प्रकाशित होने के उपरांत 30 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथा स्थिति उत्खनिपटटा अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला.	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/अन्य भूमिस्वामी की सहमति प्राप्त	खनिज का नाम	रिमार्क
सीहोर	इछावर	बामलादढ	39/1, 40/1	4.000 हे.	शासकीय	क्रशर हेतु पत्थर एवं एम-सेंड	कुल रकबा 15.062 हे. में से 4.000 हे. क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया।
			कुल रकबा	15.062 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इक्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथी तक (कार्यालयीन समय सांय 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सथी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि इस प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

उप संचालक
(खनिज प्रशासन)
जिला-सीहोर (म.प्र.)

जी/27716/25

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com